▪ फाल्गुन शुक्ल - 13 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 226 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 12-03-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

।।ॐ ह्रीं श्रीं अर्हम् श्री केसरिया आदिनाथाय नमः।।

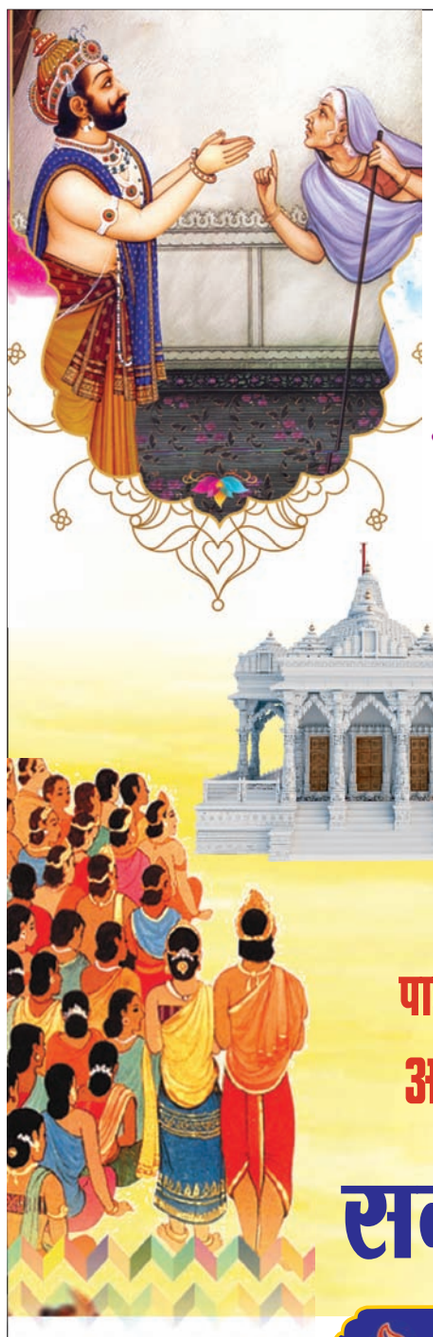

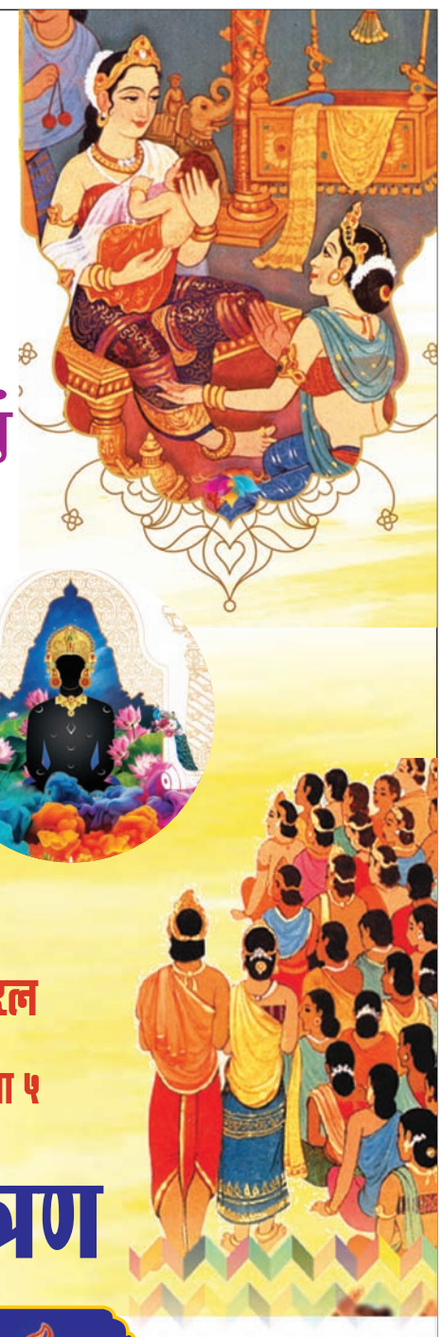

।। श्री शीतलनाथाय नमः।। ।। श्री जीरावला पार्श्वनाथाय नमः।। ।। श्री चन्द्रप्रभस्वामिने नमः।।

दक्षिण भारत श्री बेंगलोर नगरे शंकरपुरम् मध्ये

श्री केसरिया आदिनाथजी प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन श्री आदिनाथजी प्रतिष्ठा निमित्ते

नवाह्निका महोत्सव

नवाह्निका महोत्सव : फागण सुदि १० से चैत्र वदि ३,
रविवार, दि. 09-03-2025 से सोमवार, दि. 17-03-2025

पावनकारी सानिध्य: सम्यग् ज्ञान पिपासु प.पू. आचार्यदेवश्री रत्नशेखरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्यरत्न मरुधर रत्न आचार्य श्री रत्नाकरसूरीश्वरजी म.सा., श्रुतोपासक आचार्य श्री रत्नसंयम सूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा ५

सकल श्री जैन संघ को भावभरा हार्दिक आमंत्रण

चतुर्थ दिवस : फागण सुदि १३, बुधवार, दि. 12-03-2025

प्रातः 6-00 बजे : भगवान जन्मकल्याणक मंदिरजी में, सुबह 7-30 बजे : सुबह का नाश्ता
सुबह 9-30 बजे : जन्म कल्याणक की उजवणी, ५६ दिक्कुमारी, इन्द्र-इन्द्राणी महोत्सव आदि स्टेज प्रोग्राम अयोध्या नगरी में
सुबह 10-30 बजे: मेरु पर्वत पर १०८ इन्द्र-इन्द्राणी द्वारा विशेष अभिषेक अयोध्या नगरी में
(बेंगलोर में प्रथम बार पूरा च्यवन कल्याणक कार्यक्रम डिजीटल एवं टेक्नलॉजी के साथ प्रस्तुत)
दोपहर 2-30 बजे: प्रतिमा भरानेवाले लाभार्थी परिवार द्वारा भराई भगवान, देव-देवी, ध्वजा-दंड-कलश एवं प्राचीन आदिनाथ भगवान 18 अभिषेक
सुबह 11-00 से 1-30 बजे तक: सुबह की नवकारसी, सायं : 4.30 से 6-00 बजे तक - सायं नवकारसी,
सायं : 6.00 बजे - नियोजित लाभार्थी परिवारों का अयोध्या नगरी में बहुमान, सायं : 7.00 बजे - भव्य भक्ति संध्या - राजीव विजयवर्गिय

चतुर्थ दिवस : फागण सुदि १४, गुरुवार, दि. 13-03-2025

सुबह 7-30 बजे : सुबह का नाश्ता
सुबह 10-00 बजे : .प्रियंवदा दासी द्वारा जन्म बधाई, भुआ-भुरोसा द्वारा नामकरण, पाठशाला गमन आदि स्टेज प्रोग्राम
(बेंगलोर में प्रथम बार पूरा च्यवन कल्याणक कार्यक्रम डिजीटल एवं टेक्नलॉजी के साथ प्रस्तुत)
दोपहर 2-30 बजे: श्री सर्व देव-देवी पूजन (मंदिरजी में), सुबह 11-00 से 1-30 बजे तक: सुबह की नवकारसी,
सायं : 4.30 से 6-00 बजे तक - सायं नवकारसी, सायं : 6.00 बजे - नियोजित लाभार्थी परिवारों का अयोध्या नगरी में बहुमान,
सायं : 7.00 बजे - भव्य भक्ति संध्या - श्री जैनम वारिया एवं श्री पारस गढा

सुबह का नाश्ता
पूज्य पिताजी सुलतानमलजी माताजी
श्रीमती रतनबेन के दिव्य आशीष से
पुत्र-पुत्रवधु: श्रीमती शोभा-कमलेशजी चंडालिया
पौत्र-पौत्रवधु: आशीषजी-पूनम, अंकीतजी-मिताली,
प्रपौत्र: नीव, प्रपौत्री: हीया, फलक, थीया
एवं समस्त चंडालिया परिवार (मरुधर - नारलाई)
फर्म: एनक्लेवर बिल्डर्स एण्ड डेवलोपर्स,
पंचरत्ना ज्वेलर्स, बेंगलोर

सुबह की नवकारसी
पूज्य पिताजी श्री भीकमचंदजी एवं माताजी श्रीमती कमलादेवी के दिव्य आशीष से
पुत्र-पुत्रवधु: शा पारसमलजी - कमलादेवी, शान्तिलालजी - सुखीदेवी,
सुरेन्द्रकुमारजी - कवितादेवी, पौत्र-पौत्रवधु: रतनकुमारजी - रेखादेवी,
महेन्द्रकुमारजी - कंचनदेवी, विमलकुमारजी - रीतुदेवी, सुशीलकुमारजी - रेणुकादेवी,
पौत्र: पियुषकुमार पौत्री-पौत्रीजमाई: वीणादेवी - गौरवजी भंडारी
पड़पौत्र-पड़पौत्री: वीर, दर्शील, नमन, तनुशा, दीया, तानी, नव्या
एवं समस्त सालेचा परिवार, (मरुधर - मजल)
फर्म: राजधानी पेपर बोर्ड प्रा.लि., बेंगलोर-दिल्ली-हैदराबाद

शाम की नवकारसी
देवानुप्रिय श्रीमती कालीबाई - श्री सुकनराजजी खाँटेड़ के दिव्य आशीष से
पुत्र-पुत्रवधु: सरोजबाई - अमरचंदजी, भारती देवी - निर्मलकुमारजी
पौत्र-पौत्रवधु: भीखु - सुनिलकुमारजी, रक्षिता - अनिलकुमारजी,
पुत्री-दामाद: दमयंतीबाई - मदनराजजी बोहरा, रेखाबाई - महेन्द्रकुमारजी कोठारी,
पौत्री - दामाद: कोमल - आयुषजी कटारिया, दोहिता: मनिष बोहरा, कुशल बोहरा,
अक्षय कोठारी पौत्र: हर्ष पड़पौत्र: मोक्ष, लक्ष, निरवी, पेहल
एवं समस्त खाँटेड़ परिवार (मरुधर - खिंवाडा)
फर्म: अलंकार ग्रुप, बेंगलोर

स्टेज प्रोग्राम-भक्ति भावना	भरत चक्रवर्ति भोजन मंडप	मंदिरजी	भक्ति भावना
श्री अयोध्या नगरी, किम्स हॉस्पीटल के सामने, बेंगलोर	मराठा हॉस्टल, बुल टेंपल रोड़, चामराजपेट, बेंगलोर	श्री आदिनाथ मंदिर, रंगरॉव रोड़, शंकरपुरम, बेंगलोर	श्री जैनम वारिया एवं श्री पारस गढा

सकल श्री जैन संघ से नम्र निवेदन है कि आप सपरिवार इस प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारकर जिनशासन की शोभा बढावे

विशेष: बहुत ही सुंदर भोजन व्यवस्था के साथ भक्त समूह ज्यादा होने पर सब की सुविधा हेतु वेटिंग के लिए अलग-अलग कलर बेल्ट की व्यवस्था रखी गई है। आपसे निवेदन है कि इस व्यवस्था में पूरा सहयोग प्रदान करें।

निमंत्रक: श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, शंकरपुरम, बैंगलोर

सिवांची मालानी तेरापंथ महिलाओं ने मनाया महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सिवांची मालानी तेरापंथ महिला संघ ने महिला दिवस व होली के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को तेरापंथ भवन में किया। मंडल की अध्यक्ष संगीता तातेड़ ने स्वागत करते हुए सभी को होली व महिला दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर भावना कोठारी ने रिबिल्ड टू रिकनेक्ट' विषय पर आत्मविकास करने और संबंधों को सुदृढ़ बनाने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। दूसरे सत्र में राजस्थानी थीम पर मनोरंजक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 8 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संगीता जीरावला एवं इंदिरा बाफना ने प्रथम, प्रियंका गुलेच्छा ने द्वितीय व अंजू संकलेचा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रेखा पोरवाड़, मंजू दक एवं भावना कोठारी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। मंत्री राजुल चोपड़ा व वनीता बाफना ने संचालन किया।

प्रोत्साहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के एचपीएल क्रिकेटर्स एसोसिएशन द्वारा ब्याडरहल्ली भरतनगर के खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा एचपीएल कप का आयोजन किया गया, जिसमें 10 से ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना से खेल खेलने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रवीण एवं मोहनकुमार ने मुणोत को सम्मानित किया।

होली चातुर्मास के लिए साध्वीश्री पावनप्रभा ने किया आरआरनगर भवन में प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने केंगेरी से विहार करते हुए आरआर नगर तेरापंथ भवन में होली चातुर्मास के लिए प्रवेश किया। इस मौके पर विभिन्न सभा संस्थाओं के पदाधिकारियों ने साध्वियों की अगवानी की। तेरापंथ सभा की उपाध्यक्ष सरोज बैद ने साध्वीवृन्दों का स्वागत करते हुए कहा कि होली के विभिन्न रंगों से भी अधिक प्रभावशाली है आज हमारे यहाँ श्वेत वस्त्रधारी चारित्रात्माओं की आभा। गुरुदेव की कृपा से राजराजेश्वरीनगर को पहली बार होली चातुर्मास का लाभ प्राप्त हुआ है। ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा, पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, तेयुप के अध्यक्ष बिकाश छाजेड़, महिला मंडल की सुमन पटावरी ने स्वागत किया।

इस अवसर पर साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने कहा कि हम दक्षिण भारत में पहली बार आए हैं। दक्षिण में श्रद्धा-भक्ति का दरिया लहरा रहा है।

श्रावक और श्राविकाएँ जिम्मेदारी से रास्ते की सेवा का खूब लाभ उठाते हैं। उन्होंने ज्ञान एवं संयम के संतुलन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे जीवन में ज्ञान के प्रकाश और संयम का ब्रेक होना चाहिए जिससे हमारे जीवन में अच्छा विकास होता रहे। साध्वी आत्मयशाजी, उन्नतयशाजी, रम्यप्रभाजी ने गीतिका की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया।

राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी को लेकर हुआ हंगामा

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की एक टिप्पणी को लेकर सत्ता पक्ष के सदस्यों की तरफ से काफी हंगामा किया गया और बाद में खरगे ने आसन से माफी मांगते हुए कहा कि उनका यह बयान सरकार के लिए था जो क्षेत्र के आधार पर बांटने का प्रयास कर रही है। उच्च सदन में, जब शिक्षा मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा शुरू होने जा रही थी, उसी समय विपक्षी सदस्यों ने मांग की कि शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को तमिलनाडु सरकार के विरुद्ध की गयी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए। प्रधान ने सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत त्रि-भाषा नीति पर तमिलनाडु सरकार के रुख की आलोचना करते हुए उस पर आरोप लगाया था कि वह राजनीति के कारण छात्रों के जीवन को बर्बाद कर रही है। इस टिप्पणी का मंगलवार को उच्च सदन में द्रमुक के सदस्यों ने कड़ा विरोध करते हुए प्रधान से माफी की मांग की। द्रमुक सदस्य काले वस्त्र पहनकर आज सदन में आये थे। हंगामे के बीच, आसन ने खरगे को बोलने का मौका दिया। उन्होंने कहा कि आज सुबह जब वह बोलने के लिए खड़े हुए थे, उस समय शिक्षा मंत्री सदन में मौजूद नहीं थे। इस पर उपसभापति हरिवंश ने उनसे कहा कि इस समय शिक्षा मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा होनी है और खरगे को यह होने देना चाहिए।

बेलगावी पैंथर्स टीम बनी विजेता, बेंगलूरु जेएसपीएल टीम रही उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जीतो हुब्बल्ली चैप्टर द्वारा कर्नाटक केरल गोवा जीतो जोन की पहल पर हुब्बल्ली में जीतो प्रीमियर लीग-2025 का आयोजन रेलवे ग्राउंड पर किया गया। बेलगावी की बेलगावी पैंथर्स टीम विजेता बनी, जबकि बेंगलूरु की टीम जेएसपीएल ने उपविजेता का खिताब जीता। हुब्बल्ली चैप्टर के पदाधिकारियों ने सभी प्रायोजकों व सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। योगेश नाहटा, नितेश भुरट, मनीष धुमावत, धर्मेंद्र तातेड़, नरेश मेहता आदि संयोजकों ने सभी को धन्यवाद दिया। हुब्बल्ली चैप्टर के अध्यक्ष अनिलकुमार जैन, पूर्व अध्यक्ष भवरलाल जैन, भरत पटवारी, विमलेश भंडारी, शरद मोमाया, सोहन तातेड़, प्रवीण चौधरी, अक्षय बागरेचा, नीरव मोमाया, राजन जैन, आशीष नाहटा, रोशन तातेड़, भरत गुलेचा आदि उपस्थित थे।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जैन युवा संगठन(जेवाईएस) के अध्यक्ष महावीर मुनोत के नेतृत्व में उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, मंत्री नीरज कटारिया, अतिथि आमंत्रण समिति चेयरमैन मोती गोटावत, रितेश पामेचा, सुनील लोढ़ा ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात कर उन्हें 10 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में आयोजित श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। पदाधिकारियों ने राज्यपाल को संगठन की गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने आमंत्रण स्वीकार कर लिया ।

धान के बजाय बाजरे और मक्के की खेती करने से बढ़ सकती है किसानों की आय : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। किसान अगर धान के बजाय बाजरा, मक्का और ज्वार जैसे वैकल्पिक अनाज की खेती करें तो जलवायु परिवर्तन की वजह से उत्पादन में आने वाली कमी को 11 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है और इससे किसानों की आय में भी वृद्धि हो सकती है। यह दावा एक नवीनतम अध्ययन में किया गया है।

भारत में किसान आर्थिक रूप से लाभदायक होने के कारण धान की फसल उगाना पसंद करते हैं। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश देश में धान उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले शीर्ष राज्यों में से हैं। हैदराबाद स्थित इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के अनुसंधानकर्ताओं सहित शोधकर्ताओं के एक दल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान और वर्षा में होने वाले बदलाव धान उत्पादन को असमान रूप से प्रभावित करते हैं, जिससे भविष्य में गर्मी बढ़ने से खाद्य सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि किसी विशेष फसल की कितने रकबे में बुआई करनी है, इसका निर्णय किसान बाजार में फसल की कीमत में उतार-चढ़ाव आधार पर करते हैं, जिससे उनकी आय और लाभ पर संभावित रूप से असर पड़ता है।

अनुसंधान पत्र लेखकों ने 'नेचर कम्युनिकेशंस' पत्रिका में लिखा है, ''फसल क्षेत्र का अनुकूलित आवंटन जलवायु-प्रेरित उत्पादन हानि को 11 प्रतिशत तक कम कर सकता है या फसल क्षेत्र को बनाए रखते हुए किसानों के शुद्ध लाभ में 11 प्रतिशत तक सुधार कर सकता है।'' उन्होंने लिखा, ''धान के लिए निर्धारित फसल क्षेत्रों को कम करके तथा वैकल्पिक अनाजों के लिए आवंटित क्षेत्रों को बढ़ाकर ऐसे सुधार संभव होंगे।''

अनुसंधान पत्र लेखकों ने कहा कि संभावित आय वृद्धि के निष्कर्ष किसानों को आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान कर सकते हैं तथा उन्हें धान के स्थान पर जलवायु-अनुकूल फसलों की ओर स्थानांतरित करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।

अनुसंधान पत्र के लेखक और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के भारती इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी के एसोसिएट प्रोफेसर और कार्यकारी निदेशक अश्विनी छत्रे ने कहा, ''यह अध्ययन नीति निर्माताओं के लिए किसानों के निर्णयों को प्रभावित करने वाले आर्थिक कारकों पर विचार करने तथा जलवायु-अनुकूल फसलों की खेती को बढ़ावा देने वाली नीतियों को लागू करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।''

अनुसंधान के निष्कर्षों पर पहुंचने के लिए अनुसंधानकर्ताओं की टीम ने मानसून (खरीफ) मौसम के दौरान बोई जाने वाली पांच फसलों रागी, मक्का, बाजरा, धान और ज्वार का अध्ययन किया।

उपज, कटाई क्षेत्र और फसल मूल्य पर आंकड़े अर्द्ध शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी), हैदराबाद से लिए गए।

इंडिया, भारत या हिंदुस्तान जो पसंद हो उस नाम से पुकारें : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि इस देश को तीन नामों 'भारत', 'इंडिया' और 'हिंदुस्तान' से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि नागरिक अपनी पसंद के हिसाब से इसे किसी भी नाम से पुकार सकते है।

अब्दुल्ला राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले द्वारा एक समारोह में की गई टिप्पणी को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें उन्होंने जोर देकर कहा था कि यदि देश का नाम भारत है, तो इसे इसी नाम से पुकारा जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा, ''हम इसे भारत कहते हैं। हम इसे इंडिया कहते हैं। हम इसे हिंदुस्तान कहते हैं। हमारे तीन नाम हैं। जो भी नाम आपको पसंद आए, आप उसे कह सकते हैं।'' मुख्यमंत्री ने विधानसभा के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''यह ' कॉन्स्टयूशन ऑफ इंडिया' और ' इंडियन रिजर्व बैंक'' है। ऐसा क्यों है? यह सवाल पूछा जाना चाहिए। अगर देश का नाम भारत है, तो क्या इसे केवल यही नहीं कहा जाना चाहिए?''

अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री के विमान पर 'भारत' और 'इंडिया' दोनों लिखा हुआ है।उन्होंने कहा, ''इंडियन एयरफोर्स और इंडियन आर्मी भी कहा जाता है। लेकिन हम भारत के परिप्रेक्ष्य से भी बोलते हैं।''

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लोकप्रिय गीत 'सारे जहां से अच्छा, हिन्दोस्तां हमारा' को उद्धृत करते हुए कहा, ''हम भी यही कहते हैं, यह एक अलग नाम है। आप देश को जिस नाम से पुकारना चाहें, पुकार सकते हैं।''

कुलपतियों और राज्यपालों की नियुक्ति पर विवादों से बचे सरकार: देवेगौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने मंगलवार को केंद्र सरकार को विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और राज्यपालों की नियुक्तियों को लेकर होने वाले विवादों से बचने की सलाह दी।

राज्यसभा में शिक्षा मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा में भाग लेते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है। जनता दल (एस) नेता ने कहा, ''केंद्र और राज्य, दोनों की जिम्मेदारी है... उन्हें देखना चाहिए कि कुलपतियों की नियुक्ति के मुद्दे पर कोई विवाद नहीं हो। मैं इस मुद्दे को नहीं उठाना चाहता था क्योंकि कुछ राज्यों में क्या हो रहा है... न केवल कर्नाटक में बल्कि कई राज्यों में... राज्यपालों की नियुक्ति प्रमुख विवादों में से एक रही।'' पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं शिक्षा मंत्री का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि इस तरह के विवादों को जारी नहीं रहने दिया जाना चाहिए। मैं आपसे केवल अपील करता हूं कि इस विवाद को हल करने के लिए कोई उपाय होना चाहिए।'' मैसूर विवि और कर्नाटक विश्वविद्यालय को केंद्र से पर्याप्त अनुदान की आवश्यकता है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस मुद्दे पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थान कोष की कमी से जूझ रहे हैं और इनमें कई पद खाली पड़े हैं। इन विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों को वेतन भी समय पर नहीं मिल पा रहा है। देवेगौड़ा ने कहा, ''आपको यह देखना चाहिए कि बिना राजनीति के पर्याप्त अनुदान दिए जाने चाहिए। मुझे उम्मीद और विश्वास है कि केंद्र सरकार मेरे अनुरोध पर विचार करेगी।''

गोवा में 'बाहरी' लोगों को धड़ल्ले से जमीन बेची जा रही :आरजीपी

पणजी/भाषा। रिवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी (आरजीपी) ने आरोप लगाया कि गोवा में जमीन दूसरे राज्यों के लोगों को धड़ल्ले से बेची जा रही है, जिससे कीमतें आसमान छू रही हैं और स्थानीय लोगों के लिए भूखंड खरीदना मुश्किल हो रहा है। आरजीपी विधायक वीरेश बोरकर और पार्टी अध्यक्ष मनोज परब ने विधायकों से अपील की कि वे इस मुद्दे पर रुख स्पष्ट करें और राज्य में भूमि बचाने की योजना सामने रखें। बोरकर ने कहा, ''गोवा के लोग अपने राज्य में जमीन खरीदने में असमर्थ हैं, जबकि दिल्ली के लोग यहां संपत्ति खरीदने में लगे हुए हैं। इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर भू इस्तेमाल में बदलाव हुआ है।''

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से 10 लाख घर हुए रोशन : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत अबतक 10 लाख से अधिक घरों को सौर बिजली मिली है। पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना छतों पर सौर प्रणाली (रूफटॉप) लगाने की दुनिया की सबसे बड़ी सौर पहल है। इसके तहत मार्च, 2027 तक एक करोड़ घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का लक्ष्य है।

जोशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''भारत ने सौर ऊर्जा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत 10 लाख घरों को सौर ऊर्जा से सशक्त बनाया गया है। इससे पर्यावरण के मोर्चे पर स्थिरता, सामर्थ्य और आत्मनिर्भरता का नया युग शुरू हुआ है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने 75,021 करोड़ रुपए के व्यय के साथ 15 फरवरी, 2024 को इस योजना की शुरुआत की थी। इस पहल का उद्देश्य छत पर सौर पैनल लगाने की सुविधा देकर घरों को मुफ्त बिजली प्रदान करना है।

इस योजना के तहत बिजली वितरण कंपनियों को राज्य क्रियान्वयन एजेंसियों (एसआईए) के रूप में नामित किया गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

CHANGE OF NAME

I, **N. PERUMAL,** S/o Late Nagarathinam, R/at No.336, Kanthamani Building, Maskam 'A' Block, Andersonpet Post, K G F-563113, hereby declare that both names of my wife is **G.KALAYAVANI** and **KALAIWANI** belongs to one and the same person i.e., me only & my wife's correct name is **G.KALAYAVANI** and her correct DOB is **15-04-1966** vide affidavit dated 01-03-2025 sworn before Notary Thangaraj.S, K G F.

एयरटेल ने उच्च गति वाली इंटरनेट सेवाओं के लिए मस्क की स्पेसएक्स के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल ने मंगलवार को कहा कि उसने भारत में अपने ग्राहकों को स्टारलिंक की उच्च गति वाली इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की उपग्रह कंपनी स्पेसएक्स के साथ साझेदारी की है। एयरटेल ने बयान में कहा कि यह समझौता स्पेसएक्स को भारत में स्टारलिंक की उपग्रह संचार-आधारित सेवाओं को बेचने के लिए मंजूरी हासिल करने के अधीन है।

बयान के मुताबिक, यह समझौता एयरटेल और स्पेसएक्स को यह पता लगाने में सक्षम बनाएगा कि स्टारलिंक एयरटेल की पेशकश को किस तरह पूरक बनाने के साथ विस्तारित कर सकती है। इससे भारतीय बाजार में एयरटेल की विशेषज्ञता उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए स्पेसएक्स की सीधी पेशकशों को पूरक बनाने की भी परख होगी। भारती एयरटेल के प्रबंध निदेशक और वाइस चेयरमैन गोपाल विट्टल ने कहा कि भारत में एयरटेल के ग्राहकों को स्टारलिंक सेवाएं प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स के साथ काम करना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और यह अगली पीढ़ी की उपग्रह कनेक्टिविटी के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विट्टल ने कहा, ''यह सहयोग भारत के सबसे दूरदराज के इलाकों में भी विश्वस्तरीय तेज गति वाला ब्रॉडबैंड लाने की हमारी क्षमता को बढ़ाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हर व्यक्ति, व्यवसाय और समुदाय के पास विश्वसनीय इंटरनेट हो। स्टारलिंक, एयरटेल के उत्पादों के समूह को पूरक और उन्नत करेगी, ताकि हमारे भारतीय ग्राहकों के लिए विश्वसनीय और सस्ता ब्रॉडबैंड सुनिश्चित हो सके।'' इस समझौते के तहत, एयरटेल और स्पेसएक्स एयरटेल के खुदरा स्टोर पर स्टारलिंक उपकरण, एयरटेल के माध्यम से व्यावसायिक ग्राहकों को स्टारलिंक सेवाएं, समुदायों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों को जोड़ने के अवसर, भारत के सबसे दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में भी कई अन्य सुविधाएं प्रदान करने की संभावना तलाशेंगे।

फाल्गुन शुक्ल - 13 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 226 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 12-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए : बागड़े

6 आठ साल में योगी ने बदली यूपी की तस्वीर

7 फिल्म 'तू या मैं' में शनाया कपूर और आदर्श गौरव मुय भूमिका में आएंगें नजर

फर्स्ट टेक

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी में बड़े-बड़े होर्डिंग लगाने में जनता के पैसे का दुरुपयोग करने के आरोप में 'आप' नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का मंगलवार को निर्देश दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने कहा, इस अदालत की राय है कि आवेदन सीआरपीसी की धारा-156(3) के तहत स्वीकार किए जाने योग्य हैं। तदनुसार, संबंधित थाना प्रभारी (एसएचओ) को दिल्ली संपत्ति विरूपण रोकथाम अधिनियम, 2007 की धारा-3 और मामले के तथ्यों से प्रतीत होने वाले किसी भी अन्य अपराध के तहत तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया जाता है।

एसबीआई ग्राहकों को यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग में आई समस्या

मुंबई/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के ग्राहकों को कुछ 'तकनीकी समस्याओं' के कारण मंगलवार को चार घंटे से अधिक समय तक यूपीआई और मोबाइल बैंकिंग सेवाओं के इस्तेमाल में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। हालांकि, देश के सबसे बड़े ऋणदाता एसबीआई ने बाद में कहा कि तकनीकी समस्याओं को पूरी तरह दूर कर लिया गया है। एसबीआई ग्राहकों को मंगलवार को लगभग 12.30 बजे यूपीआई और मोबाइल बैंकिंग सेवाओं के इस्तेमाल में परेशानियों का सामना करना पड़ा। कुछ ही देर में यह मामला सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बन गया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया। हालांकि, तकनीकी समस्या का सटीक कारण तुरंत पता नहीं चल सका।

रूसी हवाई रक्षा प्रणाली ने 10 क्षेत्रों में 337 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए

मॉस्को/एपी। रूसी सेना ने मंगलवार को कहा कि हवाई सुरक्षा प्रणाली ने रात भर में 10 रूसी क्षेत्रों में 337 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। यह तीन साल में रूस पर यूक्रेन का सबसे बड़ा ड्रोन हमला माना जा रहा है। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई है और कई अन्य जख्मी हुए है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब यूक्रेन का एक प्रतिनिधिमंडल रूस के साथ तीन साल से जारी युद्ध को समाप्त करने को लेकर सऊदी अरब में अमेरिका के शीर्ष राजनयिक से मिलने वाला है। इस हमले पर यूक्रेनी अधिकारियों की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है'।

12-03-2025 सूर्यास्त 6:29 बजे | 13-03-2025 सूर्योदय 6:28 बजे

BSE	NSE
74,102.32	22,497.90
(-12.85)	(+37.60)

सोना	चांदी
8,997 रु.	98,863 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सब उल्टा-पुल्टा

जज ही जब दिखते लाचार,
जनता जाए किसके द्वार।
डाक्टर दिखे स्वयं बीमार,
कौन करेगा तब उपचार।
घूम रहे गुरु बन मक्कार,
शिक्षा आज बनी व्यापार।
नेता कुंठित भ्रष्ट लबार,
कैसे चल पाए सरकार।।

प्रधान ने तमिलनाडु सरकार पर एनईपी पर रुख को लेकर किया हमला

सरकार का किसी पर हिंदी या संस्कृत थोपने का इरादा नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तमिलनाडु में दो भाषा के फार्मूले के तहत चल रहे सरकारी स्कूलों में औपनिवेशक भाषा पढने वाले बच्चों का अनुपात बढ रहा है और तमिल भाषा का रूझान घट रहा है।

नई दिल्ली/एजेन्सी। सरकार ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि नई शिक्षा नीति में उसका हिन्दी या संस्कृत को तीसरी भाषा के रूप में थोपने का इरादा नहीं है और सरकार चाहती है कि देश के युवाओं को दुनिया में बहुभाषी समाज के अवसरों को फायदा उठाने के लिए भाषा ज्ञान और कौशल बढाना चाहिए।

शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मंगलवार को राज्यसभा में शिक्षा मंत्रालय के कामकाज पर करीब छह घंटे चली चर्चा का विस्तार से जवाब देते हुए तमिलनाडु में तीन भाषा के फार्मूले के कथित विरोध, एनसीईआरटी की किताबों में सांप्रदायिकता की कथित बू और विपक्ष शासित राज्यों के साथ शिक्षा मद में धन के आवंटन को लेकर भेदभाव के आरोप सहित विभिन्न मुद्दों का

खुलकर जवाब दिया।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति में तीसरी भाषा के रूप में कहीं भी हिन्दी और संस्कृत को अनिवार्य नहीं किया गया है और इनकी जगह पर कोई भी भारतीय भाषा अपनायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक समाज है और इसमें कोई भाषा किसी पर थोपी नहीं जायेगी।

प्रधान ने कहा कि बहुभाषी समाज समय की मांग है और दुनिया में बढती संभावनाओं को देखते हुए देश के नौजवना नई भाषाएं सीखें इसलिए तीन भाषा का फार्मूला दुनिया की आवश्यकताओं को देखते हुए लिया गया है।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में दो भाषा के फार्मूले के तहत चल रहे सरकारी स्कूलों में औपनिवेशक भाषा पढने वाले बच्चों का अनुपात बढ रहा है और तमिल भाषा का रूझान घट रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार तमिल भाषा के प्रति पूरी तरह वचनबद्ध है और उसने तमिलनाडु में तमिल संगमम का आयोजन कर इसे सिद्ध भी किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने तिरूवल्लुर की रचनाओं का देश और विदेश की भाषाओं में अनुवाद करने का निर्देश दिया है।

भारत और 'ग्लोबल साउथ' के बीच सेतु है मॉरीशस : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉरीशस ने घोषणा की कि मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन' से सम्मानित किया जाएगा।

पोर्ट लुइस/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को मॉरीशस को भारत और 'ग्लोबल साउथ' के बीच एक सेतु करार दिया। उन्होंने कहा कि मॉरीशस सिर्फ एक साझेदार देश भर नहीं है, बल्कि भारत के परिवार का हिस्सा है।

मोदी ने पोर्ट लुइस में एक सामुदायिक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए इस दक्षिण-पूर्वी अफ्रीकी द्वीपीय देश को नये संसद भवन के निर्माण सहित विकास में हर प्रकार से सहयोग का आश्वासन दिया। इस कार्यक्रम में मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम, उनकी पत्नी और कैबिनेट मंत्री भी शामिल हुए।

मोदी ने भारत और मॉरीशस के बीच गहरे सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंधों पर जोर दिया तथा हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा एवं समृद्धि के लिए उनकी साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मॉरीशस 'मिनी इंडिया' की तरह है। मोदी ने कहा, मॉरीशस सिर्फ एक साझेदार देश भर नहीं है। हमारे लिए मॉरीशस परिवार का एक हिस्सा है! यह बंधन इतिहास, विरासत और मानवीय भावना में गहराई और मजबूती से निहित है। उन्होंने कहा, ''मॉरीशस भारत को व्यापक 'ग्लोबल साउथ' से जोड़ने वाला एक सेतु भी है। एक दशक पहले, 2015 में प्रधानमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल में मैंने भारत के 'सागर' दृष्टिकोण की घोषणा की थी। आज भी मॉरीशस इस दृष्टिकोण के केंद्र में है।''

मॉरीशस के राष्ट्रपति से भेंट, द्विपक्षीय संबंधों पर की चर्चा

पोर्ट लुईस/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को मॉरीशस के राष्ट्रपति धरम गोखुल से मुलाकात की तथा दोनों नेताओं ने खास एवं घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। मंगलवार सुबह दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर मॉरीशस पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने 'स्टेट हाउस' में गोखुल से मुलाकात की। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया,''मॉरीशस के राष्ट्रपति महामहिम श्री धरमबीर गोखुल के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। वह भारत और भारतीय संस्कृति से अच्छी तरह परिचित हैं। मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करने को लेकर मैंने आभार व्यक्त किया। हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा देने के तौर-तरीकों पर चर्चा की।''

अवामी एक्शन कमेटी, जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन पर पांच साल के लिए प्रतिबंध

नई दिल्ली/श्रीनगर/एजेन्सी। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को जम्मू कश्मीर के दो समूहों मीरवाइज के नेतृत्व वाली अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) और मसरूर अब्बास अंसारी की अध्यक्षता वाली जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन (जेकेआईएम) को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत पांच साल के लिए प्रतिबंधित संगठन घोषित किया। मंत्रालय ने यह निर्णय जम्मू-कश्मीर में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों, अलगाववादी प्रचार और आतंकवाद को समर्थन देने में संगठन की कथित संलिप्तता का हवाला देते हुए लिया गया। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि एएसी गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त है, जो देश की अखंडता, संप्रभुता और सुरक्षा के लिए हानिकारक है और इसके सदस्य जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए आतंकवादी गतिविधियों और राष्ट्र विरोधी प्रचार में शामिल रहे हैं।

'डीपसीक' पर लगे प्रतिबंध : कांग्रेस सांसद

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद गोवाल पडवी ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि चीन का कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संबंधित मॉडल 'डीपसीक' अरुणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा नहीं बताता है और ऐसे में उसे प्रतिबंधित करना चाहिए तथा इस विषय को चीन की सरकार के समक्ष उठाया जाना चाहिए। पड़वी ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। उन्होंने कहा, ''जब डीपसीक से उत्तर प्रदेश के बारे में पूछा जाता है तो वह इसे भारत का हिस्सा बताता है...लेकिन जब अरुणाचल प्रदेश के बारे में पूछा जाता है इसका जवाब नहीं मिलता। यह अरुणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा नहीं बताता है।'' उनका कहना था कि विदेश मंत्रालय को इस मामले को चीन के समक्ष उठाना चाहिए। पडवी ने कहा, ''इस तरह की प्रौद्योगिकी का भारत में कोई स्थान नहीं है। इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए।

नशे की लत न केवल व्यक्ति को बल्कि देश को भी नुकसान पहुंचाती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बठिंडा (पंजाब)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को मादक पदार्थों की लत की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह न केवल एक व्यक्ति को बल्कि देश और उसकी अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करती है और ऐसे में लोगों को इस अभिशाप से मुक्त कराने में चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुर्मू ने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन में मोटापे की चर्चा करते हुए इसे रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया और कहा कि यह बीमारी देश के विकास में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने अनुसंधानकर्ताओं से कैंसर की जांच के लिए सुलभ तकनीक विकसित करने को कहा। उन्होंने कहा कि कम लागत पर उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने तथा चिकित्सा क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए देश में कई एम्स स्थापित किए गए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों को इलाज के साथ-साथ अनुसंधान एवं नवोन्मेष के मोर्चे पर आगे रहना चाहिए।

उन्होंने एम्स, बठिंडा के सभी पक्षों से अपील की कि वे अपने शोध और चिकित्सा सेवा के माध्यम से इसे चिकित्सा उत्कृष्टता के क्षेत्रीय केंद्र के रूप में विकसित करें।

मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि उनका (एम्स, बठिंडा का) अनुसंधान वैश्विक और स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों को हल करने पर केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हम सभी जानते हैं कि नशे की लत न केवल एक व्यक्ति, एक परिवार और समाज को बल्कि देश और उसकी अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचाती है।'' उन्होंने कहा, ''लोगों को इस लत से मुक्त कराने में चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्हें (नशे के आदी लोगों को) उचित परामर्श और उपचार दिया जाना चाहिए।

इंडसइंड बैंक को लेखा चूक से 2,100 करोड़ रुपए का नुकसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंडसइंड बैंक ने मंगलवार को लेखा विसंगति के कारण हुए 2,100 करोड़ रुपए के नुकसान के असर को कम करने की भरपूर कोशिश की और कहा कि उसके पास इस झटके से उबरने के लिए पर्याप्त पूंजी है। प्रबंधन के भरोसा दिलाने के बावजूद बैंक का शेयर 27 प्रतिशत टूट गया।

इंडसइंड बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक सुमंत कठपालिया ने कहा कि लेखा चूक के बारे में पिछले साल सितंबर-अक्टूबर के आसपास पता चला, और बैंक ने पिछले सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को इस बारे में बताया। बैंक को हुए नुकसान के अंतिम आंकड़े बाहरी एजेंसी की पड़ताल के बाद पता चलेंगे। बैंक ने बाहरी एजेंसी की नियुक्ति कर दी है, जो अपनी रिपोर्ट अप्रैल की शुरुआत में देगी।

निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक ने सोमवार को शेयर बाजारों के बताया कि उसने अपने वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में कुछ विसंगतियों का पता लगाया है। बैंक की आंतरिक समीक्षा के अनुसार, इस वजह से दिसंबर, 2024 तक बैंक की कुल संपत्ति के लगभग 2.35 प्रतिशत तक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

विश्लेषकों ने विसंगति के चलते 2,100 करोड़ रुपए के नुकसान की आशंका जताई है। बैंक ने आंतरिक निष्कर्षों की स्वतंत्र रूप से समीक्षा और सत्यापन के लिए एक बाहरी एजेंसी नियुक्त की है।

संप्रग ने जो सोना गिरवी रखा था, मोदी सरकार बनते ही वापस लाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता संबित पात्रा ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि कांग्रेस नीत संप्रग सरकार द्वारा गिरवी रखा गया देश का सोना 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनते ही वापस लाया गया था।

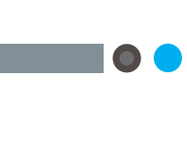

वह लोकसभा में 2024-25 के लिए दूसरे बैच के अनुदानों की अनुपूरक मांगों, 2021-22 के लिए अतिरिक्त अनुदानों की मांगों और 2025-26 के लिए मणिपुर राज्य के बजट पर चर्चा में भाग ले रहे थे।

पात्रा ने दो अखबारों की खबरों का जिक्र करते हुए कहा, संप्रग ने देश का सोना गिरवी रख दिया था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मई 2024 में एक लाख किलोग्राम सोना भारत वापस लाया गया। उन्होंने कहा कि दोनों सरकारों में यही अंतर है।

बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान रेलवे की यात्री ट्रेन जाफर एक्सप्रेस पर हमला कर किया कब्जा

182 लोगों को बीएलए ने बनाया बंधक, 11 पाकिस्तानी सैन्यकर्मी हमले में मारे गये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीएलए ने चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तानी सैन्य हस्तक्षेप जारी रहा, तो सभी बंधकों को मार दिया जायेगा।

इस्लामाबाद/एजेन्सी। बलूचिस्तान प्रांत को आजाद करने की मांग कर रहे अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान रेलवे की यात्री ट्रेन जाफर एक्सप्रेस पर मंगलवार को हमला कर उस पर कब्ज़ा करने के बाद 182 लोगों को बंधक बना लिया वहीं हमले में 11 पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गये हैं।

बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच के मुताबिक उसके लड़ाकों का जाफर एक्सप्रेस पर पूरा नियंत्रण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंधकों में पाकिस्तानी सेना, पुलिस, आईएसआई और एटीएफ के सक्रिय-ड्यूटी कर्मी शामिल हैं, जो सभी छुट्टी पर यात्रा कर रहे थे।

प्रतिकात्मक छवि

उन्होंने बताया कि आम यात्रियों, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और बलूच नागरिकों को रिहा कर दिया गया है और उन्हें सुरक्षित मार्ग से उनके गंतव्य की ओर भेजा गया है।

बीएलए ने चेतावनी दी है कि यदि सैन्य हस्तक्षेप जारी रहा, तो सभी बंधकों को मार दिया जायेगा। प्रवक्ता ने कहा कि ऑपरेशन का नेतृत्व मजीद ब्रिगेड, एसटीओएस, फतह स्क्वाड और बीएलए की जिराब यूनिट द्वारा किया जा रहा है तथा किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णायक जवाब दिया जायेगा।

बीएलए के प्रवक्ता ने कहा है कि पाकिस्तानी सेना वहां बीएलए की यूनिटों के खिलाफ हेलीकाप्टर और ड्रोन से हवाई हमले कर रही है। यदि उसके लोगों पर वहां हवाई हमले तुरंत नहीं रोके गए तो पाकिस्तान को ट्रेन में बंधक बनाये गये लोगों से हाथ धोना पड़ेगा और इसके लिए वही जिम्मेदार होंगे।

बंधक बनाए गए 80 यात्रियों को छुड़ाया : सरकारी प्रवक्ता

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने मंगलवार को बलूचिस्तान प्रांत में संदिग्ध बलूच आतंकवादियों द्वारा ट्रेन में बंधक बनाए गए 80 यात्रियों को छुड़ा लिया। सरकार के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, नौ डिब्बों में लगभग 500 यात्रियों को लेकर जाफर एक्सप्रेस क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही थी तभी मंगलवार सुबह गुदलार और पीरू कोनेरी इलाकों के बीच उस पर गोलीबारी की गई। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा, ''सुरक्षा बलों ने एक डिब्बे से 80 यात्रियों - 43 पुरुष, 26 महिलाएं और 11 बच्चों - को छुड़ाने में कामयाबी हासिल की है।''

किसान सम्मान निधि में अब तक शामिल नहीं हो सके पात्र लोगों को जोड़ने के लिए सरकार तैयार : शिवराज

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि सरकार पीएम किसान सम्मान निधि के तहत उन सभी पात्र किसानों को 6,000 रुपए की वार्षिक सहायता देने को तैयार है जो अब तक इससे नहीं जुड़े हैं। उन्होंने सभी राज्य सरकारों से ऐसे किसानों को चिह्नित करने में केंद्र की मदद करने को कहा। चौहान ने यह भी कहा कि ऐसे किसानों को पिछले समय से बकाया धनराशि भी दी जाएगी। उन्होंने प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा, ''सभी पात्र लाभार्थियों के पास कम से कम एक खेती की जमीन होनी चाहिए, उनका ईकेवाईसी होना चाहिए और वे पीएमकिसान पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।'' कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। तमिलनाडु के किसानों से संबंधित द्रमुक के एक सदस्य के पूरक प्रश्न के उत्तर में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं करेगी।

निजी स्कूल ने होली से जुड़ी भावनाओं को ठेस पहुंचाई, कार्रवाई के लिए लिखेंगे : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राज्य सरकार होली के त्योहार से जुड़ी भावनाओं को ठेस पहुंचाने पर जयपुर के एक प्रमुख निजी स्कूल के खिलाफ कार्रवाई करने हेतु केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को पत्र लिखेगी। जयपुर के सेंट एंजेला सोफिया स्कूल ने विद्यार्थियों से अनुरोध किया था कि वे स्कूल में होली के रंग न लाएं और अगर किसी छात्र के पास रंग पाया जाता है तो उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, स्कूल ने स्पष्ट किया कि यह निर्देश होली मनाने के लिए नहीं, बल्कि सिंथेटिक और हानिकारक रंगों के इस्तेमाल के संबंध में था। स्कूल की प्रधानाचार्य सिस्टर सिंथिया ने कहा कि स्कूल बुधवार को छात्रों के लिए होली समारोह का आयोजन करेगा।

स्कूल ने रविवार को अभिभावकों को एक संदेश भेजा था जिसमें विद्यार्थियों से स्कूल में होली के रंग न लाने का अनुरोध किया गया था। स्कूल प्रधानाचार्य ने एक वीडियो संदेश में कहा, अभिभावक नहीं चाहते कि रासायनिक वाले रंगे प्रयोग में लिये जाएं इसलिए हमने एहतियात के तौर पर एक संदेश अभिभावकों को दिया कि आप बच्चों को कहिए की स्कूल में रंग न लाएं। परीक्षा आराम से दीजिए। उन्होंने कहा, होली बहुत पवित्र त्योहार है... खुशियों रंगों का त्योहार है। परीक्षा खत्म हो जाने के बाद हम बुधवार को यह त्योहार मनाने वाले हैं। हम लोग फूलों की होली खेलना सिखायेंगे। उन्होंने कहा, यह एहतियात हमारे सभी छात्रों के लिए एक सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

स्कूल की ओर से रविवार को अभिभावकों को भेजे संदेश में कहा गया, हम आपके बच्चे को इस अनुरोध के बारे में याद दिलाने में आपका सहयोग चाहते हैं। हमें विश्वास है कि आपके सहयोग से हम स्कूल में खुशहाल और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रख सकते हैं। अगर किसी छात्र के पास रंग पाया जाता है तो उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा कि ऐसा लिखना गलत है। उन्होंने एक वीडियो में कहा, इस प्रकार से लिखना गलत है। होली पर हम रंग लगाकर खुशियां मना रहे हैं। यह स्कूल सीबीएसई से संबद्ध है ऐसे में हम सीबीएसई को लिखेंगे कि क्यों न नियमानुसार इसकी मान्यता रद्द कर दी जाए। क्योंकि ये आस्था से जुड़े हमारे जो त्योहार हैं उन पर टीका टिप्पणी कर रहे है। स्कूल की प्रधानाचार्य से संपर्क करने पर उन्होंने स्पष्ट किया कि होली पर प्रतिबंध नहीं है और रासायनिक तथा हानिकारक रंगों के इस्तेमाल को प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कहा, हम चाहते थे कि छात्र अपनी परीक्षाएं पूरी करें और हानिकारक तथा रासायनिक रंगों से दूर रहें। यह एक एहतियाती कदम था। हम बुधवार को स्कूल परिसर में छात्रों के लिए होली उत्सव का आयोजन करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभिभावकों और छात्रों को होली उत्सव कार्यक्रम के बारे में सूचित कर दिया गया है। स्कूल के शिक्षक ने बताया किस्कूल परिसर में होली मनाने के लिए प्राकृतिक रंगों और फूलों का इस्तेमाल किया जाएगा।

बैठक

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मंगलवार को जयपुर में राजस्थान विधानसभा में एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने का प्रस्ताव नहीं : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मंगलवार को विधानसभा में पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। प्रश्नकाल में एक सवाल के जवाब में उन्होंने यह बात कही। बेढ़म ने सदन को अवगत कराया कि प्रदेश में अन्य राजकीय कार्मिकों से ज्यादा आकस्मिक अवकाश प्रतिवर्ष पुलिसकर्मियों को दिए जाने का प्रावधान है। इसके साथ ही मंत्री ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में पुलिस कांस्टेबल के मैस एवं वर्दी भत्ते में वृद्धि किया जाना प्रस्तावित नहीं है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी काम कर रही है। राज्य में साइबर अपराधियों पर त्वरित तथा कठोर कार्रवाई करने के लिए भारत सरकार के सहयोग से हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है।

उन्होंने कहा कि शिकायत प्राप्त होने पर रेंज पुलिस महानिरीक्षक के माध्यम से अपराधियों की 'लोकेशन' पता लगाकर संबंधित स्थानीय थाना पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आंतरिक सुरक्षा के लिए समस्त आवश्यक व्यवस्था को समुचित समय में उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित वाहन '112' पूर्व में पुलिस थानों में उपलब्ध करवाए हैं। इससे पहले विधायक भैराराम चौधरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि राजस्थान पुलिस के समस्त पुलिसकर्मियों को मुश्किल परिस्थितियों में तैनाती भत्ते के अतिरिक्त पांच हजार रुपये मासिक जोखिम भत्ता दिये जाने संबंधी प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

'वन हैं तो हम हैं', हमें हमेशा स्मरण रखना चाहिए : संजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि वन और वन्यजीव संरक्षण हमारी संस्कृति है। इसके लिए हमारी सरकार कृत संकल्पित है। थार मरूस्थल से लेकर हरित अरावली पहाड़ियों तक के विविध भौगोलिक स्वरूपों के अनूठे पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने के लिए सरकार प्रयासरत है। शर्मा ने पर्यावरण शहीदों, वन एवं वन्यजीवों के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीद वनकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल वन क्षेत्र 33 हजार 14 वर्ग किलोमीटर है, यह राज्य के भौगोलिक क्षेत्रफल का 9.64 प्रतिशत है। हमारी सरकार ने इसे आगामी दो दशकों में 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है।

वन एवं पर्यावरण मंत्री विधान सभा में वन एवं पर्यावरण विभाग की (मांग संख्या-45) अनुदान मांग पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। चर्चा के बाद सदन ने वन एवं पर्यावरण विभाग की 21 अरब 27 करोड़ 16 लाख 30 हजार रूपए की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दीं। शर्मा ने कहा कि पुलिस कल्याण कोष की तर्ज पर वन विभाग में भी वनकर्मी कल्याण कोष बनाने की कार्यवाही की जायेगी। साथ ही संजय वन शाहपुरा का नाम बदल कर देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की याद में अटल वन किया जायेगा। इस पार्क के विकास हेतु राशि रूपये 13 करोड़

का व्यय किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि सरिस्का सदर गेट से पाण्डुपोल हनुमान मंदिर तक, काली घाटी सरिस्का से टहला गेट तक उच्च गुणवत्ता की ग्रेवल सड़क 7.4 करोड़ की लागत से बनायी जाएगी। विभाग द्वारा संरक्षित क्षेत्रों में बघेरा की आबादी की जानकारी प्राप्त करने हेतु वैज्ञानिक पद्धति से कैमरा ट्रेप सेन्सस वनकर्मियों को उचित प्रशिक्षण देकर उपलब्ध करवाया जायेगा। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 16 नगर वन स्थापना के लिए 24.31 करोड़ राशि के प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजें गए हैं। जो इस प्रकार है जयपुर के विराटनगर, अजमेर के दक्षिण के आदर्श नगर एवं गुलाबबाडी नगर, बून्दी, चित्तौडगढ बेंगू के रावतभाटा एवं चंदेरिया मगरी, उदयपुर ग्रामीण के होडा में, उदयपुर सलुम्बर के सोनारमाता में, कोटा (उत्तर) के अभेडा में, झालावाड के झालारापाटन गोमती सागर-प्रथम एवं गोमती सागर-द्वितीय, डीग के नगर क्षेत्र के आदिब्रदी धाम, जरखोड गुफा एवं सेवल मंदिर, टोक के मालपुरा, टोंक निवाई में इससे अतिरिक्त विधानसभा क्षेत्र श्रीमाधोपुर में शाहपुरा से रींगस राज्य राजमार्ग पर जालपाली मोड़ के पास एक नगर वन बनाया जाना भी प्रस्तावित है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 21 मई, 1982 को गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) को वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के उपबंधों के तहत राजस्थान राज्य का राज्य पक्षी घोषित किया गया है। अतः गोडावण संरक्षण में अभूतपूर्व कार्य को देखते हुये मैं प्रतिवर्ष 21 मई को गोडावण दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा की। सिल्वन पार्क वन खण्ड रावली जो कि जयपुर शहर से आगरा रोड के पास जामडोली में स्थित है, इसका नाम बदलकर केशव सिल्वन पार्क किया जायेगा।

लू-तापघात एवं मौसमी बीमारियों को लेकर चिकित्सा विभाग अलर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आगामी गर्मियों को देखते हुए लू-तापघात एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने जरूरी तैयारियां प्रारम्भ कर दी हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में लू-तापघात एवं मौसमी बीमारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा की और प्रदेशभर में पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में भीषण गर्मी एवं लू की आशंका को देखते हुए हर स्थिति से निपटने के लिए विभाग के सभी अधिकारी अभी से समुचित तैयारियां शुरू करें, ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों और मौसमी बीमारियों से किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं हो। उन्होंने विभागीय अधिकारियों, मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य, अधीक्षकों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विस्तार से समीक्षा की और प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सभी चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सक, नर्सिंग स्टॉफ एवं पैरामेडिकल कार्मिक आवश्यक रूप से उपस्थित रहें। अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों एवं उपकरणों का माकूल इंतजाम सुनिश्चित करने के साथ ही छाया एवं ठंडे पेयजल की समुचित व्यवस्था हो। अस्पतालों में उपलब्ध वाटर कूलर, पंखें, कूलर, एसी आदि की आवश्यकतानुसार खरीद की जाए तथा जरूरत अनुसार मेंटीनेंस करवाया जाए। उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को समय-समय पर पानी एवं खाद्य पदार्थों के नमूने लेने एवं आमजन को जागरूक करने के भी निर्देश दिए।

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान केंद्र सरकार की ओर से संचालित एक महत्वपूर्ण अभियान है। इसके लक्ष्य हासिल करने में किसी तरह की कमी नहीं रहे। टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लिए शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किए जाएं। उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान की जिलावार समीक्षा करते हुए इसमें अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। टीबी स्क्रीनिंग, टेस्टिंग, ट्रीटमेंट, निक्षय पोषण योजना एवं निक्षय मित्र बनाने सहित विभिन्न गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने बजट घोषणाओं की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धौलपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। बागड़े मंगलवार को राजस्थान में धौलपुर जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करें और उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करें। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को विशेष रूप से ध्यान में रखते हुए 'पढ़ाई, दवाई और गांव में ही कमाई' के सिद्धांत पर कार्य करने पर बल दिया।

उन्होंने विभिन्न योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन इस तरह हो कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक लाभ निर्बाध रूप से पहुंचे। उन्होंने कृषि में उत्पादकता बढ़ाने, उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, बागवानी एवं वैकल्पिक फसलों को प्रोत्साहित करने के साथ ही खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना पर जोर देते हुए कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए इन्हीं उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बागड़े ने अधिकारियों से कहा कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाएं ताकि अधिक से अधिक लोग इनका लाभ उठा सकें।

उन्होंने जल संरक्षण को एक महत्वपूर्ण विषय बताते हुए कहा कि वर्षा जल संचयन और अन्य जल स्रोतों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिले में बेघर और घुमंतु समुदाय के लोगों को निशुल्क पट्टा देकर उन्हें आवास योजनाओं में शामिल किया जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति बिना छत के न रहे।

बैठक में उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत सभी परिवारों के लिए शौचालय निर्माण सुनिश्चित करने और गांवों को साफ-सुथरा रखने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि सांसद निधि और अन्य योजनाओं के तहत किए जा रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। गांवों को प्रधानमंत्री सड़क योजना से जोड़ा जाए, जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए, और कुसुम और प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। बागड़े ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष जोर देते हुए कहा कि राजीविका योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों को मजबूत किया जाए और उनके उत्पादों की उचित मार्केटिंग की व्यवस्था की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत दिए जाने वाले ऋणों का सही उपयोग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

बाड़मेर में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है तथा राज्य के बाड़मेर में सोमवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार, राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 7.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। मौसम केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा जालोर में अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री, जैसलमेर में 39.5 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 38.4 डिग्री, सिरोही में 38.3 डिग्री, जोधपुर में 38.1 डिग्री तथा पाली व बीकानेर में 38-38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सड़क हादसों में सात लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में मंगलवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय - जोधपुर के तीन विद्यार्थियों समेत सात लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, सुरपालिया थाना क्षेत्र में लालदासजी महाराज धाम के पास छात्रों को लेकर जा रही एक स्लीपर बस और ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में बस में सवार तीन विद्यार्थियों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। दुर्घटना के बाद बस पलट गई। जायल के क्षेत्राधिकारी खेमाराम ने बताया कि छात्र पंजाब के पटियाला से लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि घायल छात्रों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जिनमें से चार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि कई अन्य छात्रों को भी मामूली चोटें आई हैं, जिनका प्राथमिक उपचार किया गया। मृतकों की पहचान दिल्ली निवासी आरुषि गुप्ता, चेन्नई निवासी हर्षित वशिष्ठ और कोलकाता निवासी आरव मिड्ढा के रूप में हुई है। खेमाराम ने बताया कि बस जोधपुर जा रही थी और सुबह करीब साढ़े पांच बजे जब यह दुर्घटना हुई, तब कई छात्र इसमें सो रहे थे। एक घायल छात्र ने संवाददाताओं को बताया कि छात्रों का समूह पटियाला में एक खेल कार्यक्रम में भाग लेने गया था। वहीं, सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बाराणी के पास एक अन्य दुर्घटना हुई। पुलिस के मुताबिक, एक कार के पलटने से चार रिश्तेदारों की मौत हो गई।

बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने में जुट जाएं : मीना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं विशिष्ट शासन सचिव हरि मोहन मीना ने अधिकारियों को बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने में जुट जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की तय समयावधि में क्रियान्वित से ही आमजन को लाभ मिल सकता है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत के निर्देश पर मीना ने मंगलवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय 'अम्बेडकर भवन' में निदेशालय स्तर के अधिकारियों की बैठक ली और इस संबंध में जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बजट 2025-26 की घोषणा और आवश्यकता के अनुरूप भूमि चिह्नकरण एवं आवंटन से जुड़े कार्य तय समयावधि में पूरा करने के निर्देश दिए।

मीना ने कहा कि हर कार्य में समयबद्धता, गुणवत्ता और उपयोगिता पर विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। इस दौरान अल्प आय वर्ग के बुजुर्ग व्यक्तियों, विधवाओं एवं असहाय निराश्रित व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु स्थापित किया जा रहे स्वयं सिद्ध आश्रमों, विमुक्त घुमंतू और अर्ध घुमंतु समुदायों के सशक्तिकरण एवं उत्थान की दृष्टि से संत दादू दयाल घुमंतू सशक्तिकरण योजना प्रारंभ करने, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक निगमो द्वारा दिए गए ऋणों के क्रम में वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लाने सहित अन्य विभिन्न विषयों पर विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

हमें सत्ता में पहुंचाने वाले सभी कार्यकर्ताओं का हम समर्थन करेंगे : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं को सरकारी कार्यक्रमों के माध्यम से पद और लाभ देकर पुरस्कृत करने के सरकार के फैसले को उचित ठहराया। विधानसभा में चर्चा के दौरान गारंटी कार्यान्वयन समितियों में अधिकांश पदों पर पार्टी कार्यकर्ताओं के होने का मुद्दा उठाने वाले विधायक एमटी कृष्णप्पा को जवाब देते हुए उन्होंने कहा, पार्टी को सत्ता में लाने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं को समायोजित करने में कुछ भी गलत नहीं है। समितियों का गठन 52,000 करोड़ रुपये की गारंटी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए किया गया है। लेकिन विपक्ष इसे पचा नहीं पा रहा है।

चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए विपक्ष के नेता आर अशोक ने पार्टी कार्यकर्ताओं को 187 करोड़ रुपये की सरकारी राशि वितरित करने का मुद्दा उठाया, उन्होंने कहा, इस मुद्दे को सदन में उठाया जाए, हम जवाब देंगे। अभी हम खुद को बजट पर चर्चा तक सीमित रखें। राज्य की जनता ने हमें 138 सीटों से नवाजा है। विपक्ष के नेता और अन्य विधायकों ने समितियों में स्थान देने का अनुरोध किया। यह मेरा अकेले का निर्णय नहीं है, इस पर कैबिनेट में चर्चा होनी चाहिए। हमारी सरकार

हमेशा अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ है। विपक्ष ने जब इस पर हंगामा किया तो उपमुख्यमंत्री ने लेखक डीवीजी की कविता से पलटवार किया। जब भाजपा विधायक सुनील कुमार ने बीच में यह कहते हुए हस्तक्षेप किया कि भाजपा गारंटी योजनाओं का विरोध नहीं करती है तो उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री से लेकर भाजपा के विधायक तक सभी ने गारंटी योजनाओं की आलोचना की है। विपक्ष चाहे कोई भी हो, हमने इसे आगे बढ़ाया और लागू किया। जब तक कांग्रेस की सरकार है, गारंटी योजनाएं बंद नहीं होंगी।

महंगाई और महंगाई से लोग परेशान थे। हमारी सरकार ने उनके दर्द को कम करने के लिए गारंटी योजनाएं शुरू कीं, लेकिन इसकी काफी आलोचना हुई। भाजपा ने कहा कि हम इसे लागू नहीं कर पाएंगे, लेकिन हमने सत्ता में आने के पांच दिन के भीतर गारंटी योजनाओं को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा, हम समझते हैं कि राज्य के बजट का 207 गारंटी योजनाओं के लिए निर्धारित करना कितना मुश्किल है, लेकिन लोगों की ज़िंदगी हमारे लिए महत्वपूर्ण है। इससे मूल्य वृद्धि और मुद्रास्फीति का दर्द कम होता है। भाजपा दिल्ली, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हमारे मॉडल का अनुसरण कर रही है।

आर अशोक द्वारा गारंटी कार्यान्वयन समितियों के नाम पर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को भुगतान को 'मनेहलु' (घरों को नष्ट करने वाला) कहने पर जवाब देते हुए, उपमुख्यमंत्री ने स्पीकर से इस शब्द को बनाए रखने के लिए कहा। उन्होंने कहा, वे मनेहलु शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जबकि हम घर और परिवार बनाने में मदद कर रहे हैं।

महिला वकील की आत्महत्या के मामले में पुलिस उपाधीक्षक गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु में 33 वर्षीय महिला वकील की आत्महत्या के मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इस मामले में पुलिस उपाधीक्षक कनकलक्ष्मी को मंगलवार को गिरफ्तार किया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि कनकलक्ष्मी के खिलाफ तब मामला दर्ज किया गया था जब महिला वकील ने यह आरोप लगाया था कि कर्नाटक भोवी विकास निगम घोटाले में पूछताछ के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने उनके कपड़े उतरवा दिये थे।

वकील ने उपाधीक्षक पर 25 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का भी आरोप लगाया था। वकील जीवा एस. के. का 22 नवंबर 2024 को सुसाइड नोट बरामद होने के बाद आपराधिक जांच विभाग की उपाधीक्षक कनकलक्ष्मी के खिलाफ बनशंकरी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था। इस घटना के संबंध में दर्ज हुई प्राथमिकी के बाद पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने केंद्रीय अपराध शाखा को आरोपी पुलिस अधिकारी के खिलाफ जांच का आदेश दिया था। जीवा की बहन संगीता एस. ने कनकलक्ष्मी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी बहन के कपड़े उतरवा दिये गये ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसके पास 'साइनाइड' है या नहीं।

पर्यटकों की सुरक्षा की खातिर 'होमस्टे' एवं 'रिसॉर्ट' के मालिकों के लिए दिशानिर्देश जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कोप्पल जिले में छह मार्च को ओडिशा के एक पर्यटक की हत्या तथा एक इजरायली पर्यटक और एक 'होमस्टे' मालकिन के साथ बलात्कार की घटना के बाद कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को 'होमस्टे', 'रिसॉर्ट' और होटलों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए। दिशानिर्देश में अतिथियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े सुरक्षा उपायों को अनिवार्य किया गया है।

सनापुर की घटना को बहुत दुखद और 'खेदजनक' करार देते हुए सरकार ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नवीनतम दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

आदेश में कहा गया है कि राज्य भर के पर्यटन स्थलों पर स्थित 'होमस्टे' को विदेशी आगंतुकों समेत सभी पर्यटकों के लिए उचित सुरक्षा उपाय लागू करने होंगे। इसमें कहा गया है, पर्यटकों को सुदूर या निर्जन क्षेत्रों में ले जाने से पहले पूर्व सूचना दी जानी चाहिए तथा संबंधित थाने से अनुमति ली जानी चाहिए।'' इस आदेश में कहा गया है कि यदि पर्यटकों को पुलिस या वन विभाग की पूर्वानुमति के बगैर दूरदराज के स्थानों, बाहरी इलाकों या जंगली क्षेत्रों में ले जाया जाता है, तो 'होमस्टे' मालिकों को बदमाशों या जंगली जानवरों के कारण होने वाली किसी भी घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा और उन्हें कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा।

राज्य सरकार ने जिला अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि 'होमस्टे', होटल और 'रिसॉर्ट' दिशानिर्देशों का पालन करें। इसके अतिरिक्त, उन्हें संभावित जोखिमों का आकलन करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला अधिकारियों को पर्यटन केंद्र यात्रा कार्यक्रमों की एक सूची प्रदान करनी होगी। हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। होमस्टे' मालकिन पर्यटकों को तारे देखने के लिए तुंगभद्रा नहर के किनारे ले गयी थी, तभी मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

कुलपतियों और राज्यपालों की नियुक्ति पर विवादों से बचे सरकार : देवेगौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने मंगलवार को केंद्र सरकार को विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और राज्यपालों की नियुक्तियों को लेकर होने वाले विवादों से बचने की सलाह दी। राज्यसभा में शिक्षा मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा में भाग लेते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है। जनता दल (एस) नेता ने कहा, ''केंद्र और राज्य, दोनों की जिम्मेदारी है... उन्हें देखना चाहिए कि कुलपतियों की नियुक्ति के मुद्दे पर कोई विवाद नहीं हो। मैं इस मुद्दे को नहीं उठाना चाहता था क्योंकि कुछ राज्यों में क्या हो रहा है... न केवल कर्नाटक में बल्कि कई राज्यों में... राज्यपालों की नियुक्ति प्रमुख विवादों में से एक रही।''

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं शिक्षा मंत्री का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि इस तरह के विवादों को जारी नहीं रहने दिया जाना चाहिए। मैं आपसे केवल अपील करता हूं कि इस विवाद को हल करने के लिए कोई उपाय होना चाहिए।''

उन्होंने कहा कि मैसूर विश्वविद्यालय और कर्नाटक विश्वविद्यालय को केंद्र से पर्याप्त अनुदान की आवश्यकता है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस मुद्दे पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थान कोष की कमी से जूझ रहे हैं और इनमें कई पद खाली पड़े हैं। उन्होंने कहा कि इन विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों को वेतन भी समय पर नहीं मिल पा रहा है।

देवेगौड़ा ने कहा, ''आपको यह देखना चाहिए कि बिना राजनीति के पर्याप्त अनुदान दिए जाने चाहिए। मुझे उम्मीद और विश्वास है कि केंद्र सरकार मेरे अनुरोध पर विचार करेगी।''

पहल

बेंगलूरु के किंडर विमुन हॉस्पिटल एंड फर्टिलिटी सेंटर व्हाइटफील्ड ने 'मां जीवन 2.0' नामक एक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल शुरू की है, जिसके तहत जरूरतमंद महिलाओं को मुफ्त स्त्री रोग संबंधी और सामान्य सर्जरी प्रदान की जाएगी। महिला दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को आयोजित इस लॉन्च कार्यक्रम में अस्पताल के सीईओ रंजीत कृष्णन ने स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. बीटी. गंगा, आशा कार्यकर्ता शोभा डोड्डामनी को को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में सेन्टर की सीओओ श्रीवल्ली वी. व समूह वित्त सलाहकार मुकेश सबरवाल उपस्थित थे।

सिद्दरामय्या ने प्रधानमंत्री से कर्नाटक में लाल मिर्च के लिए मूल्य अंतर भुगतान योजना लागू करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर कर्नाटक में लाल मिर्च के लिए बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत मूल्य अंतर भुगतान योजना लागू करने का अनुरोध किया है। उन्होंने पत्र में कर्नाटक, खासकर कल्याण क्षेत्र के लाखों लाल मिर्च किसानों के लिए गहरी चिंता जताई, जो बाजार की कीमतों में भारी गिरावट के कारण अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने आंध्र प्रदेश में लाल मिर्च (गुंटूर किस्म) के लिए बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) के तहत मूल्य अंतर भुगतान (पीडीपी) योजना को मंजूरी दे दी है, जिसमें उत्पादन के 25 प्रतिशत तक

कवरेज के साथ 11,781 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम हस्तक्षेप मूल्य (एमआईपी) तय किया गया है। उन्होंने 10 मार्च को लिखे पत्र में कहा, ''यह एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन कर्नाटक के लाल मिर्च किसानों के सामने आने वाली समस्या का समाधान नहीं किया गया है।''

सिद्दरामय्या ने कहा कि कर्नाटक में गुंटूर किस्म की लाल मिर्च (वर्षा आधारित) की उत्पादन लागत का आकलन कर्नाटक कृषि मूल्य आयोग द्वारा 12,675 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। उन्होंने कहा, ''हालांकि, किसानों को सिंधनूर जैसे बाजारों में 8,300 रुपये प्रति क्विंटल के कम दाम पर अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे न केवल भारी वित्तीय नुकसान होता है, बल्कि उनके अस्तित्व पर भी खतरा मंडराता है।'' मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र, देश के सबसे पिछड़े और सूखाग्रस्त क्षेत्रों में से एक है, जहां हजारों छोटे और सीमांत किसान लाल मिर्च की खेती पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए यह जरूरी है कि केंद्र सरकार बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत मूल्य अंतर भुगतान योजना को कर्नाटक तक बढ़ाए, ताकि आंध्र प्रदेश के साथ समानता सुनिश्चित हो सके।

कर्नाटक सरकार ने सोना तस्करी मामले में डीजीपी रैंक के अधिकारी रामचंद्र राव के खिलाफ जांच के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कन्नड़ फिल्मों की अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े कथित सोना तस्करी के मामले में उनके सौतेले पिता व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रैंक के अधिकारी के. रामचंद्र राव की भूमिका की जांच के लिए कर्नाटक सरकार ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) गौरव गुप्ता को नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि गौरव गुप्ता की नियुक्ति का आदेश सोमवार रात जारी किया गया।

सरकार ने बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) पर पुलिस अधिकारियों की कथित चूक और कर्तव्य के प्रति लापरवाही की अपराध जांच विभाग (सीआईडी) से जांच का भी आदेश दिया। रामचंद्र राव वर्तमान में कर्नाटक राज्य पुलिस आवास एवं अवसंरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

सरकारी आदेश में कहा गया है, प्रोटोकॉल संबंधी सुविधाओं का लाभ उठाने के संबंध में तथ्यों और परिस्थितियों की जांच तथा इस मामले में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) कैडर के राज्य के पुलिस महानिदेशक, एवं कर्नाटक राज्य पुलिस आवास एवं अवसंरचना निगम के प्रबंध निदेशक रामचंद्र राव की भूमिका की जांच के लिए एसीएस गौरव गुप्ता को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। आदेश में कहा गया है कि जांच अधिकारी को तुरंत जांच शुरू करने के साथ एक सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक (पुलिस बलों के प्रमुख) तथा कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के सचिव को भी जांच के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज और सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि फिल्म अभिनेत्री रान्या राव को राजस्व खुफिया निदेशालय ने उस समय गिरफ्तार किया, जब वह दुबई से अवैध तरीके से सोना लेकर बेंगलूरु आ रही थीं। आदेश में कहा गया है कि मामले की जांच के दौरान मीडिया में यह खबर आई कि गिरफ्तार रान्या ने हवाई अड्डे पर उच्च पदस्थ अधिकारियों को दी जाने वाली सुविधाओं का दुरुपयोग किया।

आदेश के मुताबिक, ऐसी खबर मिली है कि रान्या के विदेश जाने और वहां से लौटने के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा कर्तव्य निर्वहन में बरती गई लापरवाही की जांच करने के लिए भी सीआईडी को निर्देश दिया गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तीन मार्च को यहां केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रान्या के पास से 12.56 करोड़ रुपये मूल्य की सोने की पट्टियां (बार) जब्त की थीं। अगले दिन, डीआरआई ने कहा कि उसने बेंगलूरु में रान्या के आवास से 2.06 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और नकदी जब्त की। डीआरआई इस मामले की जांच कर रही है, वहीं सीबीआई भी जांच में शामिल हो गई है।

चोरी के आभूषणों के साथ तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सुब्रमण्यमनगर पुलिस ने राजस्थानी मूल के तीन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से 5 लाख रुपए के सोने के आभूषण और 2 किलो से अधिक चांदी की वस्तुएं प्राप्त हुई है। जानकारी के अनुसार यह लोग दिन में बच्चों के बैलून बेचने का काम करते हैं। वह रिहायसी इलाकों में सुबह बैलून बेचते हुए रैकी करते थे। जहां उन्हें घर पर ताला लगा मिलता उसे वह रात में जाकर भी चेक करते और अगर ताला लगा मिला तो उस घर को निशाना बनाते है। पुलिस ने राजस्थान के दौसा जिले के राजेश (42) अजमेर जिले के कर्मवीर और सुरेश को गिरफ्तार किया है। यह लोग यहां चोरी को अंजाम देकर राजस्थान जाकर बहुमूल्य वस्तुओं को बेच देते थे।

वहीं पुलिस ने एक महिला को भी गिरफ्तार किया जिन पर गोल्ड एक्जीबिशन में सोना चुराने के आरोप है। राजाजीनगर के राजकुमार रोड पर स्थित एक होटल में चल रही गोल्ड प्रदर्शनी में से डायमन्ड और सोने के चूड़ियां चोरी हो गई थी। पुलिस ने वहीं एक अन्य होटल में चल रही एक प्रदर्शनी के दौरान महिला को पकड़ा। उसके पास से 8 लाख रुपए मूल्य के आभूषण बरामद हुए।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर बीआईएस-वीआईटी उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मानक ब्यूरो, भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय, भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तत्वावधान में कार्यरत एक वैधानिक निकाय है। भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय के रूप में, बीआईएस उद्योगों में गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कड़े प्रमाणन, विनियामक ढांचे और उपभोक्ता जागरूकता पहलों के माध्यम से, बीआईएस औद्योगिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हुए सार्वजनिक हितों की रक्षा करता है। आईएसआई चिह्न, अनुपालन की एक पहचान है, जो सुरक्षित, बेहतर उत्पादों को बढ़ावा देने में सहायक है, खासकर सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में। बीआईएस मिशन के अनुरूप, भारतीय मानक ब्यूरो ने वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी), चेन्नई के सहयोग से, विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में 11 मार्च को वीआईटी कैंपस में बीआईएस-वीआईटी फेस्ट का आयोजन किया।

फेस्ट की शुरुआत उपभोक्ता संरक्षण में बीआईएस की विभिन्न पहलों के बारे में उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए एक रोड शो के साथ हुई, एक ऐसा कार्यक्रम जिसमें हेलमेट, ऑटोमोटिव ग्लास और टायर जैसे आईएसआई-प्रमाणित सड़क सुरक्षा उत्पादों के जीवन-रक्षक महत्व पर प्रकाश डाला गया। रोड शो का उद्घाटन तांबरम कमिश्नरेट के चीफ ट्रैफिक वार्डन (आई/सी) एस धंदवमूर्ति ने किया और अपने संबोधन में सुरक्षा और स्वास्थ्य और गुणवत्ता वाले हेलमेट के उपयोग पर उपभोक्ता जागरूकता में बीआईएस द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। इसके बाद गणमान्य व्यक्तियों ने असाही इंडिया ग्लास लिमिटेड, यूनो मिंडा एल्युमिनियम कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, व्हील्स इंडिया लिमिटेड, श्राइडर इलेक्ट्रिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मिशेलिन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मास्टरपेज (क्रीडा गेम्स), अप्पासामी एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, टीपीआरएस ग्लास, ई-मोक्स मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड और वीवा टॉयज जैसी अग्रणी उद्योग कंपनियों के इंटरैक्टिव उद्योग स्टॉल का अनावरण किया, जिन्होंने परिसर में स्टॉल लगाए थे, जिन्हें बड़ी संख्या में छात्रों ने देखा।

गुणवत्ता और अनुपालन के महत्व को सुदृढ़ करने के लिए वीआईटी चेन्नई के छात्रों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताएं और आकर्षक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक एस.एस. बालाजी उपस्थित थे और उन्होंने अध्यक्षीय भाषण दिया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने बताया कि गुणवत्ता सुनिश्चित करने के दो तरीके हैं, एक एहतियाती (निर्माता द्वारा) और दूसरा उपचारात्मक। उन्होंने मानक और गुणवत्ता पर भी बात की और बताया कि प्रत्येक उपभोक्ता को यह पहचानने का अधिकार है कि किसी उत्पाद पर खड्ख मार्क असली है या नहीं। उन्होंने छात्रों को इखड राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। बीआईएस से, डॉ. मीनाक्षी गणेशन, वैज्ञानिक जी और प्रमुख, दक्षिणी क्षेत्रीय प्रयोगशाला ने अपने भाषण में उपभोक्ताओं के विभिन्न अधिकारों की जानकारी दी और इस वर्ष उपभोक्ता अधिकार दिवस की थीम पर दर्शकों को जानकारी दी।

मद्रास विवि ने 'भारत में ईसाई धर्म का प्रसार कैसे किया जाए' विषय पर व्याख्यान रद्द किया

चेन्नई/दक्षिण भारत । मद्रास विश्वविद्यालय में 14 मार्च को 'भारत में ईसाई धर्म का प्रसार कैसे किया जाए' विषय पर होने वाले व्याख्यान को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), हिंदू संगठनों के विरोध और सोशल मीडिया पर आलोचना के बाद रद्द कर दिया गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्य सचिव एसजी सूर्या ने इस मुद्दे को उठाते हुए कार्यक्रम के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की निंदा की। मद्रास विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास और पुरातत्व विभाग ने हैदराबाद के मुख्य अभियंता के. शिव कुमार द्वारा सर एस सुब्रमण्य अय्यर 'एंडोमेंट लेक्चर' 2024-2025 आयोजित करने की औपचारिक घोषणा की थी जिसके बाद विवाद शुरू हो गया था। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस व्याख्यान के विषय : 'भारत में ईसाई धर्म का प्रसार कैसे किया जाए' और इस मार्ग की आवश्यकता क्यों है?' की आलोचना की। कार्यक्रम की घोषणा के कुछ ही समय बाद ही कई लोगों ने मद्रास विश्वविद्यालय की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह शिक्षा के मंदिर को ईसाई धर्म के प्रचार के साधन में बदल रहा है। मद्रास विश्वविद्यालय ने आलोचना के बाद व्याख्यान रद्द करने की घोषणा की। रजिस्ट्रार प्रोफेसर एस एलुमलाई ने सात मार्च को राजभवन को भेजे पत्र में बताया कि प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग ने उक्त विषयों पर विशेष व्याख्यान आयोजित करने के लिए मद्रास विश्वविद्यालय से मंजूरी नहीं ली। रजिस्ट्रार ने कहा, इसके मद्देनजर हमने संबंधित व्यक्ति को तत्काल प्रभाव से विशेष व्याख्यान रद्द करने का निर्देश दिया है।

कॉलेज ऑफ नर्सिंग कमांड के स्नातकों की पासिंग आउट परेड हुई

कैडेटों के 5वें बैच के प्रशिक्षण का सफल समापन

बेंगलूरु। मेडिकल ट्रेनिंग सेंटर परेड ग्राउंड में सोमवार को पासिंग आउट परेड के साथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कमांड हॉस्पिटल एयर फोर्स बेंगलूरु (सीएचएएफबी) के 39 नर्सिंग कैडेटों के 5वें बैच के प्रशिक्षण का सफल समापन हो गया। कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सीएचएएफबी के प्रिंसिपल कर्नल जेसी मैथ्यू ने सभी का स्वागत किया। परेड का निरीक्षण सीएचएएफबी के कमांडेंट एयर वाइस मार्शल कौशिक चटर्जी ने किया। वायुसेना अधिकारी ने नवनियुक्त अधिकारियों को बधाई दी तथा उनसे सैन्य नर्सिंग सेवा के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया।

प्रिंसिपल मैट्रन ब्रिगेडियर आर विजयरानी ने शपथ दिलाई, जिसमें पहली बार बेज यूनिफॉर्म पहनने वाले युवा अधिकारियों ने सेवा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सैन्य नर्सिंग सेवा की पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल एलिजाबेथ जॉन (सेवानिवृत्त) मुख्य अतिथि थीं।

लेफ्टिनेंट प्रबिता बी, लेफ्टिनेंट देबोरा ग्रेस जॉर्जिन और लेफ्टिनेंट एपिफेनी मैरी जे को शैक्षणिक और प्रशिक्षण के अन्य पहलुओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी प्रदान की गई।

सुविचार

अजीब दस्तुर है ज़माने का अच्छी यादें पेनड्राईव में और बुरी यादें दिल में रखते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सरकारी सेवाएं और गुणवत्ता

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के संबंध में जो टिप्पणी की है, वह आम जनता की आवाज है। केंद्र और राज्यों की सत्ता में कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता में अब तक जो सुधार नजर आना चाहिए था, वह नहीं आया। हाल के कुछ वर्षों में हालात थोड़े बेहतर जरूर हुए हैं। फिर भी सुधार की बड़ी गुंजाइश है। सरकारी सेवाओं की उपलब्धता को लेकर सीधा-सा नियम यह होना चाहिए कि जब कोई सामान्य व्यक्ति किसी दफ्तर में जाए तो उसे जरूर महसूस हो कि मेरी सरकार मेरा ख़याल रखती है। आज कई सरकारी दफ्तरों की हालत यह है कि वहां कर्मचारी और जनता के बीच टकराव देखने को मिलता है। जनता का आरोप रहता है कि जब किसी कर्मचारी से सरकारी सेवाओं के बारे में पूछा जाता है तो संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, कहीं-कहीं काम को अटका दिया जाता है, वहीं कर्मचारी का जवाब होता है कि स्टाफ की संख्या कम है, काम का बोझ ज्यादा है। सरकारी दफ्तरों में रिश्वतखोरी एक बड़ी समस्या है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अपने स्तर पर कार्रवाई जरूर कर रहा है, लेकिन रिश्वतखोरी अपनी जगह बरकरार है। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता। यूपीएससी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले एक जानेमाने शिक्षक ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया था कि उनकी कक्षा में एक नौजवान पढ़ाई करने आता था, जिसका पहले ही किसी सरकारी सेवा में चयन हो चुका था। उसका 'दु:ख' यह था कि वहां बहुत भ्रष्टाचार था, मेहनती लोगों की कद्र नहीं थी, इसलिए वह आईएएस या आईपीएस अधिकारी बनकर भ्रष्टाचार को खत्म करना चाहता था। उस नौजवान का चयन आईपीएस के लिए हो गया। कुछ साल बाद उन शिक्षक ने उस नौजवान की तस्वीर अखबार में देखी। पता चला कि वह खुद रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार हो गया!

सरकारी कामकाज में ढिलाई, भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं के बारे में मीडिया ने खूब लिखा है। इन समस्याओं से जनता और सरकार, दोनों भलीभांति अवगत हैं। दुर्भाग्य से कुछ दफ्तरों की छवि तो ऐसी बन गई है कि ज्यादातर लोग मानते हैं कि वहां बगैर रिश्वत दिए कोई काम नहीं हो सकता। अगर कोई व्यक्ति रिश्वत नहीं देगा तो उसके दस्तावेजों में तरह-तरह की कमियां निकाली जाएंगी, काम में बाधा पैदा की जाएगी। इन दोनों समस्याओं का पुख्ता समाधान करने की जरूरत है। इसका एक तरीका यह है कि वे सरकारी सेवाएं, जिनका संबंध आम जनता से है, उन सबको डिजिटल कर दिया जाए। एक बार जब आवेदन हो जाए तो निश्चित समय सीमा में वह सेवा उपलब्ध करा दी जाए। इसके लिए संबंधित कर्मचारी की जवाबदेही तय की जाए। अगर आवेदन में कहीं कमी रह जाए तो उसका जवाब डिजिटल तरीके से ही दिया जाए। अगर कहीं कोई कमी नहीं है, फिर भी काम नहीं हो रहा है तो उच्चाधिकारियों को हस्तक्षेप कर कर्मचारी से स्पष्टीकरण मांगना चाहिए। एक और तरीका यह है कि जनता से रेटिंग मांगी जाए। जैसे- भारत के एक मशहूर बैंक ने अपनी सेवाओं को लगातार बेहतर बनाने के लिए खास व्यवस्था कर रखी है कि जब किसी खाता धारक के पास रिलेशनशिप मैनेजर का फोन आता है और बैंकिंग संबंधी विषय पर बात हो जाती है तो बैंक की ओर से एक ईमेल भेजा जाता है। उसमें पूछा जाता है- आप हमारे कर्मचारी के कामकाज और व्यवहार को कितनी रेटिंग देना चाहेंगे? वहां रेटिंग देने के बाद अपनी ओर से भी टिप्पणी कर सकते हैं, जो सीधे एचआर विभाग के पास जाती है। अगर सरकारी सेवाओं के साथ कोई ऐसी व्यवस्था जोड़ दी जाए तो बहुत सुधार देखने को मिल सकता है। जिस कर्मचारी का व्यवहार बहुत अच्छा हो, जो समय पर काम पूरा कर दे, जो जनता का सहयोग करे, उसकी रेटिंग निश्चित रूप से ऊपर जाएगी। इसका उसे पदोन्नति, वेतन वृद्धि और स्थानांतरण आदि में लाभ दिया जाना चाहिए। जिसका प्रदर्शन इसके बिल्कुल विपरीत हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मचारियों के खिलाफ बहुत सख्त कानूनी प्रावधान होने चाहिएं, ताकि जनता में विश्वास पैदा हो। सरकारी सेवा जनसेवा का माध्यम है। जो कर्मचारी ईमानदारी, शालीनता और सत्यनिष्ठा से अपना कर्तव्य निभाएं, उन्हें सम्मानित करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

नेशनल आर्काइव्स ऑफ़ इंडिया दुनिया में सबसे बड़े स्तर पर डिजिटलाइजेशन का कार्य कर रहा है। यानी हमारी अमूल्य विरासत की जान और पहचान आधुनिक तकनीक से संरक्षित की जा रही है। अगली पीढ़ियों को भारतीयता समझाने का यह सार्थक प्रयास है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

नागौर में जोधपुर लॉ-यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों की बस पलटने एवं एक अन्य भीषण सड़क हादसे में नागरिकों के हताहत होने एवं कई लोगों के घायल होने का समाचार हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें ।

-दीया कुमारी

हारे का सहारा बाबा खाटू श्याम हमारा! बाबा खाटू श्याम की पावन नगरी 'खाटू धाम' में आये सभी श्याम भक्तों को फाल्गुन एकादशी की शुभकामनाएं। मैं लखदातार से सभी के जीवन में आनंद बिखेरने तथा देश की सुख-समृद्धि व खुशहाली की प्रार्थना करती हूं।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

कर्मों का खेल

जब रावण ने जटायु के दोनों पंख काट डाले तो गिद्धराज जटायु काल से कहते हैं, 'ए मौत! आगे बढ़ने की कोशिश मत करना। मैं मौत को स्वीकार तो करूंगा, पर प्रभु श्रीराम को सीताहरण की गाथा सुनाने के बाद।' महाभारत के भीष्म पितामह जो महान तपस्वी, नैष्ठिक ब्रह्मचारी हैं, बाणों की शय्या पर लेट कर मौत का इंतजार कर रहे थे। भगवान कृष्ण मिलने जाते हैं तो भीष्म पितामह के द्रौपदी के सम्मान की रक्षा में असफल रहने के कारण मन ही मन भीष्म पितामह पर प्रश्नवाचक दृष्टि डालते हैं और भीष्म पितामह भगवान कृष्ण को देखकर रोते हैं। रामायण का एक अन्य दृश्य है कि गिद्धराज जटायु भगवान की गोद रूपी शय्या पर लेटे हैं, भगवान रो रहे हैं और जटायु हंस रहे हैं। वहीं महाभारत में भीष्म पितामह रो रहे हैं और भगवान कृष्ण हंस रहे हैं। अंत समय में जटायु को भगवान श्रीराम की गोद की शय्या मिली तो भीष्म पितामह को बाणों की शय्या। जटायु अपने कर्म के बल पर अंत समय में भगवान की गोद रूपी शय्या में हंसते हुए प्राण त्याग रहा है दूसरी ओर बाणों की शय्या पर भीष्म पितामह रोते हुए प्राण त्याग रहे हैं।

सामयिक

आज उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट नहीं है। वे चाहे जहां जाएं। 6 साल में 5 लाख करोड़ से अधिक की औद्योगिक विकास की इकाइयां स्थापित की गयीं। इनमें कई में प्रोडक्शन हो रहा है। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि 35 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव आयेंगे। बेरोजगारी दर जो 2016 में 18 फीसदी थी वह आज 3 से 4 फीसदी है। जितना गन्ना मूल्य भुगतान 2007 से 2017 के बीच हुआ उसका दोगुना योगी सरकार ने 2017 के बाद किया। सरकार 2 लाख 2 हजार करोड़ से अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान कर चुकी है। एथनॉल उत्पादन में प्रदेश देश में नंबर 1 पर है। आज 118 करोड़ लीटर एथनॉल उत्पादन यूपी कर रहा है।

आठ साल में योगी ने बदली यूपी की तस्वीर

निरंकार सिंह

मोबाइल : 09451910615

धर्म-दर्शन, कला, विज्ञान के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश कई शताब्दियों तक विश्व के मानचित्र पर चमकता रहा है। राम, कृष्ण और बुद्ध का अवतार इस भूमि पर हुआ था। अनादिकाल से काशी भी शिव की आराधना का केन्द्र रही है। भगवान बुद्ध और महावीर की भी उत्तर प्रदेश कर्मभूमि रही है। प्राकृतिक और मानवीय संसाधनों में उत्तर प्रदेश कभी पिछड़ा प्रदेश नहीं रहा है। यहां तक कि मुगल आक्रांताओं और ब्रिटिश शासन में भी उत्तर प्रदेश की गिनती पिछड़े प्रदेशों में नहीं होती थी। लेकिन देश की आजादी के बाद यह प्रदेश धीरे-धीरे पिछड़ता चला गया और पिछली गैर भाजपा सरकारों के कार्यकाल में इस प्रदेश की गिनती पिछड़े प्रदेशों में होने लगी। समाजवादी पार्टी के शासनकाल में तो उत्तर प्रदेश भ्रष्टाचार, लूटपाट और अराजकता का केन्द्र बन गया था। कोई भी उद्यमी यहां पर उद्योग-धंधों को लगाने से कतराता था। लेकिन योगी आदित्यनाथ के सत्ता की बागडोर संभालने के बाद इस प्रदेश की तस्वीर बदलने लगी। आज यहां पूरी तरह से कानून का शासन है और बड़े-बड़े अपराधियों, माफिया गिरोहों की दुकानें बंद हो गयी हैं। पूरे प्रदेश में अमन चैन के साथ आप इस प्रदेश में कोई भी कारोबार कहीं भी कर सकते हैं। इसका परिणाम आज सबके सामने है। देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 प्रतिशत के साथ दूसरे नम्बर पर है। पिछले आठ साल में उत्तर प्रदेश की तस्वीर पूरी तरह से बदल गयी है। आज योगी आदित्यनाथ की सरकार देश में मिसाल के तौर पर पेश की जाती है।

आज उत्तर प्रदेश उपद्रवियों के लिए नही बल्कि उत्सवों के प्रदेश के रूप में जाना जाता है। अब उत्तर प्रदेश माफिया के लिए नहीं, महोत्सव के लिए जाना जाना जाता है। उत्तर प्रदेश गुंडाराज, माफियाराज, और जंगलराज जैसे शब्द अब अतीत के शब्द बन गये हैं। उत्तर प्रदेश विकास की नई बुलंदियों को छू रहा है। आठ साल में जो परिवर्तन हुआ वो नए यूपी की गाथा को सबके सामने रखता। ये 8 साल यूपी के लिए महत्वपूर्ण रहे। फुल मेजोरिटी की सरकार और स्थिरता, प्रशासन में स्थायित्व आया है। सालों बाद ऐसा हो रहा कि डीएम जिले में कार्यकाल पूरा कर रहे। पहले ताश के पत्तों की तरह फेंटे जाते थे सब। 8 साल में दंगामुक्त प्रदेश, सबसे अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर. 2 करोड़ युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम करने के लिए टेबलेट और स्मार्टफोन योजना के तहत 20 लाख से अधिक बांट चुके हैं। कोई जिला ऐसा नहीं जहां के युवाओं को बिना भेदभाव के सरकारी नौकरी न मिली हो। कोविड के दौरान बाहर ने आने वाले श्रमिकों और कामगारों को काम मिला। एक लाख 64 हजार से अधिक पुलिस भर्ती बिना जातिवाद और बिना परिवारवाद के हुई।

नीति आयोग द्वारा राज्यों की राजकोषीय स्थिति के संबंधित से प्रकाशित रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश को फ्रंट रनर की श्रेणी में रखा गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 की अवधि में प्रदेश के समेकित 'फिस्कल हेल्थ इंडेक्स' में 8.9 अंकों का इजाफा हुआ है। व्यय की गुणवत्ता में व्यापक सुधार हुआ है, वर्ष 2018 से 23 की अवधि में पूंजीगत व्यय, कुल व्यय के 14.8 प्रतिशत से 19.3 प्रतिशत के मध्य रहा। इस अवधि में यह अनुपात देश के प्रमुख राज्यों के औसत अनुपात से अधिक रहा। देश के सभी राज्यों की स्वयं के कर की प्राप्तियों में उत्तर प्रदेश का अंश वर्ष 2022-2023, 2023-2024 एवं 2024-2025 में क्रमशः 9.9 प्रतिशत, 10.5 प्रतिशत एवं 11.6 प्रतिशत रहा जो महाराष्ट्र के उपरांत देश में सर्वाधिक है। उक्त वर्षों में सभी राज्यों में राजस्व प्राप्तियों के सापेक्ष ब्याज पर व्यय क्रमशः 12.6, 12.3 एवं 12.1 प्रतिशत रहा जबकि उत्तर प्रदेश में यह प्रतिशत 10.3, 9.4 एवं 8.9 रहा।सकल राज्य घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में सभी राज्यों की स्वयं के कर से प्राप्ति का औसत उक्त वर्षों में क्रमशः 6.5, 7.0 और 7.2 प्रतिशत रहा, जबकि उत्तर प्रदेश में यह अनुपात क्रमशः 7.6, 9.8 और 10 प्रतिशत रहा।

आज उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट नहीं है। वे चाहे जहां जाएं। 6 साल में 5 लाख करोड़ से अधिक की औद्योगिक विकास की इकाइयां स्थापित की गयीं। इनमें कई में प्रोडक्शन हो रहा है। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि 35 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव आयेंगे। बेरोजगारी दर जो 2016 में 18 फीसदी थी वह आज 3 से 4 फीसदी है। जितना गन्ना मूल्य भुगतान 2007 से 2017 के बीच हुआ उसका दोगुना योगी सरकार ने 2017 के बाद किया। सरकार 2 लाख 2 हजार करोड़ से अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान कर चुकी है। एथनॉल उत्पादन में प्रदेश देश में नंबर 1 पर है। आज 118 करोड़ लीटर एथनॉल उत्पादन यूपी कर रहा है।

देश के सर्वाधिक स्मार्टफोन का उत्पादन यूपी में हो रहा है। देश का सबसे बड़ा डेटा सेन्टर यूपी में है। विपक्षी दलों की सरकारों के उदासीन रवैये से संसाधनों से भरपूर होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में विकास की रफ्तार सुस्त रही। वहीं 2017 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार आने के बाद प्रदेश में विकास का पहिया तेजी से घूमा है और देश की जीडीपी में प्रदेश की हिस्सेदारी दूसरे नम्बर पर पहुंच गयी। देश का सबसे बड़ा राज्य और सबसे अधिक संसाधन होने के बावजूद 1950 से 2017 तक प्रदेश की जीएसटीपी 12.75 लाख करोड़ तक पहुंच सकी, जबकि 2017 में जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर विश्वास जताया और पिछले आठ वर्षों में प्रदेश की जीएसडीपी दोगुना से अधिक होकर 2024-25 में 27.51 लाख करोड़ होने जा रही है।

वर्ष 2023-2024 में देश की जीडीपी की वृद्धि दर 9.6 प्रतिशत है, जबकि उत्तर प्रदेश की वृद्धि दर 11.6 प्रतिशत रही है। 2016-2017 में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय मात्र 52.271 रुपए थी, वर्ष 2023-2024 में 93.514 रुपये है। 2016-2017 में कुल राजस्व प्राप्तियां 02 लाख 56 हजार रूपये हुई थी। जबकि चालू वित्तीय वर्ष के जनवरी माह तक ही 04 लाख 10 हजार करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त हो चुका है। आज उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। कर अपवंचन को रोका गया है। रेवेन्यू, लीकेज को समाप्त किया गया है। बीते आठ वर्ष में एक भी नया टैक्स नहीं लगाया गया। प्रदेश में डीजल-पेट्रोल की दरें देश में सबसे कम हैं। बावजूद इसके उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। आज टैक्स का इस्तेमाल जनता के हित में हो रहा है। जैसे हाईवे बनें, पुल बनें, स्कूल-कालेज बनें, अस्पताल बनें हैं।

उत्तर प्रदेश 400 लाख टन सब्जियों का उत्पादन करते हुए देश में प्रथम स्थान पर है। वर्ष 2016-17 में खाद्यान्न उत्पादकता 27.25 कुंतल प्रति हेक्टेयर थी, जो वर्ष 2023-24 में लगभग 12 प्रतिशत बढ़कर 30.51 कुंतल प्रति हेक्टेयर हो गयी है। तिलहन उत्पादकता वर्ष 2016-17 में मात्र 12.40 लाख मीट्रिक टन थी, वह 2023-24 में 128 प्रतिशत बढ़कर 28.31 लाख मीट्रिक टन हो गयी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत ढाई करोड़ कृषकों को 80 हजार करोड़ से अधिक की धनराशि उनके खातों में हस्तांतरित की गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वर्ष 2024-25 में माह दिसंबर तक 28.58 लाख कृषकों द्वारा 19.84 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में फसल का बीमा कराया गया है और 9.33 लाख बीमित कृषकों को 495.41 करोड़ की क्षतिपूर्ति का भुगतान किया गया है।

डिजिटल क्रांति का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बनकर उभरा है उत्तर प्रदेश। 2017-18 में यूपी में जहां 122.84 करोड़ डिजिटल ट्रांजैक्शन हुए थे, वहीं 2024-25 में दिसम्बर 2024 तक 1024.41 करोड़ डिजिटल ट्रांजैक्शन हो चुके हैं। यूपी डिजिटल लेनदेन अपनाने में नंबर एक है। आधे से अधिक लेन-देन यूपीआई से हुए। इसकी वजह डिजिटल बैंकिंग की आसान पहुंच, गांवों तक इंटरनेट, वित्तीय जागरूकता और उपकरणों की पर्याप्त संख्या है।

आज प्रदेश में बैंकों की 20416 शाखाओं, 4,00,932 बैंक मित्र एवं बीसी सखी, 18747 एटीएम और 4,40,095 बैंकिंग केन्द्रों के माध्यम से बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार और बेईमानी पर कठोर प्रहार कर रही है। 11 विभागों की 207 योजनाओं की धनराशि डीबीटी के माध्यम से दी जा रही हैं। इसमें 113 केन्द्रीय योजनाएं और 94 राज्य सेक्टर की योजनाएं हैं। डीबीटी से 09 करोड़ 08 लाख से अधिक लोगों को 01 लाख 11 हजार 637 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया। इससे प्रदेश में भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है। अप्रैल 2000 से जून 2017 तक 3,303 करोड़ रूपए फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) के जरिए यूपी को मिले। वहीं अप्रैल 2017 से सितंबर 2024 तक 14 हजार 8 करोड़ रूपये से अधिक आया है। यह बताता है कि प्रदेश सही दिशा में आगे बढ़ा है।

नजरिया

होलिकोत्सव : प्रेम, आत्मीयता एवं समरसता का रंग-पर्व

प्रमोद दीक्षित मलय

मोबाइल : 9452085234

भारत उत्सवों की भूमि है, त्योहारों की पावन धरा है। यह मंगल कार्यों की आधार पीठिका है और पर्वों की पुण्य प्रभा भी। उत्सव जीवंतता के प्रतीक हैं और उल्लास एवं उमंग के संवाहक भी। उत्सव, तीज-त्योहार और पर्वों का सतत आयोजन किसी समाज की सुख-समृद्धि का संकेत हैं और प्रगति एवं विकास का मानक भी। भारत वर्ष में चैत्र नवरात्रि से नव संवत का आरम्भ होता है और फाल्गुन की पूर्णिमा से चैत्र के पहले पखवारे तक वर्ष के अवसान का समय होता है। वर्ष पर्यंत अनेकानेक उत्सवों का आयोजन और विश्व मंगल की कामना भारतीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था की सुदीर्घ परम्परा का अनिवार्य घटक रहा है। फाल्गुन की पूर्णिमा को होलिका दहन और धुलेंढ़ी को रंग खेलना इस पर्व परम्परा में एक सुखद अनुभूति है। माघ मास की पंचमी से वसंत लोक का द्वार खटखटा सुवासित सौंदर्य की चादर धरती पर बिछा देता है। वसंत प्रेम की, मनुहार की ऋतु है। फागुन में बहती मलय बयार शुष्क मन को भी रससिक्त कर देती है। तभी तो प्रकृति भी उल्लसित हो पुराने पल्लव त्याग नवल रूप धारण कर लेती है। वन-उपवन के नाना वृक्ष पुष्पों और फलों से लद जाते हैं, डालियां विनम्रता से झुक जाती हैं। औषधियां प्राणवान हो उठती हैं। फूलों पर मंडराते भ्रमर दल की गुंजार से लोकजीवन मानो सुमधुर संगीत की धारा में अवगाहन करने लगता है। निर्झर, सरिता एवं सरोवरों का जल निर्मल हो अमियमय हो जाता है। खेतों में फसलें खुशी से नर्तन करती हैं, और उन्हें देख-देख कृषक आह्लादित होते हैं। समाज जीवन में चतुर्दिक नवल सर्जना एवं सहकार के रंग बिखर जाते हैं। कह सकते हैं, रंग पर्व होली सामाजिक समरसता, समता, आत्मीयता और मधुरता का सत्व ग्रहण किए गांव-गांव, नगर-नगर मानो संदेश देती हो कि वाह्य विभेदों से परे होकर हम एकरस, एकरंग और एकात्म हो जायें। यह एक रंग है मानवता का, परस्पर विश्वास और बंधुत्व का और पारस्परिक समझ एवं साझेपन का।

होली सामाजिक प्रेम-सद्भाव, सौहार्द एवं सहकार का अपनी तरह का अनूठा पर्व है जिसमें धनी-निर्धन, जात-पात एवं भाषा-क्षेत्र के तमाम भेद तिरोहित हो जाते हैं। सभी एक साथ मिलकर फाल्गुन की पूर्णिमा को होलिका दहन करते हैं और अगले दिन धुलेंढ़ी को अबीर-गुलाल उड़ा एक-दूसरे पर रंग डालते हैं, गले मिलते हैं। बुंदेलखंड में होलिका दहन के लिए गाय के गोबर से बल्ले (वृत्ताकार चपटी पट्टी से कटोरे जैसे बनाकर बीच में छेद किया जाता है) बनाये जाते हैं। इनमें एक-एक चंद्रमा और सूरज के बल्ले भी होते हैं। सूखने पर मूंज की सुतली से गूंथ कर सामूहिक होलिका दहन स्थल पर शुभ मुहूर्त के पूर्व सभी अपने बल्लों की माला लेकर एकत्रित होते हैं। एक-एक माला एक-दूसरे से बदल लेते हैं, शेष मालाएं दहन हेतु इकट्ठी की गयी लकड़ी एवं उपलों के ढेर पर समर्पित कर दी जाती हैं। मुहूर्त पर अग्नि प्रज्ज्वलित कर धधकती अग्नि की सभी परिक्रमा करते हैं। नवान्न गेहूं, जौ, चना आदि बांस के अग्रभाग में बांधकर भूनते और प्रसाद ग्रहण करते हैं। बाल्टी या किसी सुरक्षित पात्र में होली की आग घर लाकर घर में सजाई गयी होलिका का दहन करते हैं। घर में माताएं बेसन से परिवार के सभी सदस्यों का उबटन करके होलिका में आरोग्य प्रदान करने की कामना के साथ डाल देती हैं। इस अवसर राई-चोकर मुट्ठी में लेकर सभी के सिर के ऊपर से घुमाकर जलती होलिका में डालते जाते हैं जो चट्ट-चट्ट की आवाज के साथ जलता है। होली अग्नि की आराधना और साधना का पर्व भी है। इस आग को अंगीठी में सुरक्षित कर लेते हैं जो वर्ष पर्यंत चूल्हा जलाने में प्रयोग की जाती है। अंत में मंद आग में एक बड़े लोटा में जल रख देते हैं। सुबह सभी लोग स्नान करते समय लोटे का जल का थोड़ा-थोड़ा प्रयोग करते हैं। सुबह से रंग खेलना आरम्भ हो जाता है। होली के अवसर पर घरों में बेसन-मैदा और खोया से बने पकवान यथा पापड़, मठरी, नमकीन, सेव, खुरमा, खाजा, पूरी, गुझिया, रसगुल्ले आदि बनाये और खिलाये जाते हैं।

होली त्योहार मनाने से सम्बंधित अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग कहानियां भी प्रचलित हैं और होली मनाने एवं रंग खेलने के अपने तरीके तथा परम्पराएं भी। किंतु एक कहानी जो सर्वत्र स्वीकृत और लोक जीवन में रची-बसी है, वह दैत्य राजा हिरणयकशिपु और उसके पुत्र प्रह्लाद से जुड़ी है। ग्रंथों में उल्लेख मिलता है, हिरण्यकशिपु और हिरणयाक्ष दो भाई थे जो अत्यंत बलशाली थे। एक बार हिरण्याक्ष पृथ्वी को लेकर अंतरिक्ष-सिंधु में छिप गया जिसे भगवान विष्णु के वराह अवतार ने मारकर पृथ्वी को मुक्त किया। दूसरे भाई हिरण्यकशिपु ने सत्ता शक्ति में मदांध हो स्वयं को ईश्वर के रूप में प्रजा द्वारा पूजा-आराधना करने हेतु विवश कर रखा था। यहां तक कि विष्णु भक्त अपने पुत्र बालक प्रह्लाद को भगवान विष्णु का पूजन बंद कर स्वयं की पूजा करने का सख्त आदेश दिया। किंतु प्रह्लाद द्वारा मना करने से उसे मृत्युदंड दे अपनी बहिन होलिका, जिसे अग्नि में न जलने का वरदान प्राप्त था, को प्रह्लाद को गोद में लेकर धधकती अग्नि में बैठकर समाप्त करने की जिम्मेदारी दी। दैव योग से होलिका जल गई और प्रह्लाद बच गये।

पुत्र को स्वयं मारने हेतु उद्यत होने पर स्तम्भ से प्रकट होकर भगवान नृसिंह ने प्रह्लाद की प्राण रक्षा की। इस प्रकार अग्नि से प्रह्लाद के सकुशल बचने और होलिका के जल जाने के आनंद में प्रजा ने एक-दूसरे पर रंग डाले और खुशियां मनाई। तब से परम्परा में होलिका दहन करके और रंग-गुलाल उड़ाकर खुशी प्रकट की जाने लगी। वैसे देखा जाये तो प्रतीक अर्थ में होलिका कटुता, कलुषता, विषमता, ईर्ष्या-द्वेष एवं अन्याय का प्रतीक है और प्रह्लाद आनंद, खुशी एवं उल्लास का। जब कटुता-कलुषता आदि बुराईयों का कूड़ा-कचरा और लकड़ियां जलाई जाती है तभी समाज में समता, प्रेम, मधुरता एवं न्याय का वातावरण तैयार होता है। होली के इस प्रेम, आत्मीयता-मधुरता भरे पावन पर्व पर हम परिवार, समाज एवं राष्ट्र की प्रगति के लिए तमाम बुराईयों, कुरीतियों एवं जड रूढ़ियों का दहन कर मानवीय मूल्यों के पोषक, सह-अस्तित्व का भाव सहेजे और सामूहिकता का राग साधे सतत अग्रसर समाज निर्माण का संकल्प लें, यही मंगल कामना करता हूं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

महाकुंभ के माध्यम से आस्था और अर्थव्यवस्था को जोड़ने से प्रयागराज में बदलाव आया : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि महाकुंभ ने प्रयागराज पर परिवर्तनकारी प्रभाव डाला है और यह भी कहा कि शहर में कभी माफिया और अपराधियों का बोलबाला था, लेकिन अब यह एक नए रूप में विकसित हो गया है।

लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक निजी चैनल के सम्मलेन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में प्रमुख विकास परियोजनाओं के साथ एक पूर्ण परिवर्तन आया है, जिसने ऐतिहासिक शहर को एक आधुनिक पहचान दी है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय महाकुंभ के माध्यम से आस्था और अर्थव्यवस्था को जोड़ने को भी दिया।

उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया और उन पर पुष्प वर्षा की।

सफाईकर्मियों को स्वच्छता की नींव बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्होंने स्वच्छ कुंभ के संदेश को सफलतापूर्वक जीवंत किया है।''

आदित्यनाथ ने महाकुंभ को सफल बनाने में सफाई कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''किसी भी कार्य के समापन के बाद लोग अक्सर अगले काम के बारे में सोचते हुए आगे बढ़ जाते हैं। जब सभी लोग एक इमारत में रहते हैं तो उसकी नींव को भूल जाते हैं। महाकुंभ की नींव को मजबूत करने वाले सफाई कर्मचारियों को सम्मान मिलना चाहिए। उनके प्रयासों से यह आयोजन संभव हुआ और उन्हें सम्मानित करने का यह कार्यक्रम वाकई दिल को छू लेने वाला है।''

सामूहिक प्रयास की ताकत पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, ''कोई भी आयोजन तभी बड़ी ऊंचाइयों पर पहुंचता है, जब लोग एक साझा दृष्टिकोण के साथ एक साथ आते हैं। जब हम सामूहिक प्रयासों को सकारात्मक रूप से देखते हैं तो वे समाज के लिए प्रेरणा बन जाते हैं। प्रयागराज में बिल्कुल यही हुआ।''

आदित्यनाथ ने यह भी साझा किया कि कैसे अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन जैसे देशों के लोगों ने अपने बुजुर्ग माता-पिता को महाकुंभ में लाने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''महाकुंभ ने आस्था और अर्थव्यवस्था को जोड़ने के अभियान को आगे बढ़ाया है। महाकुंभ ने प्रयागराज जैसे शहर के विकास को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है। यह कभी खूंखार माफियाओं और अपराधियों के कब्जे में था। वे पूरे प्रयागराज को रौंद रहे थे। आज महाकुंभ के कारण इसका कायापलट हो गया है। यहां कई बड़ी विकास परियोजनाएं क्रियान्वित की गईं। महाकुंभ के कारण इस प्राचीन शहर का नया स्वरूप सामने आया है।''

मुख्यमंत्री ने स्वच्छता और सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि महाकुंभ में शामिल होने वाले सभी लोगों ने स्वच्छता और सुरक्षाकर्मियों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि महाकुंभ में मात्र 45 दिनों में 66.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे और हर दिन डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा साझा किया।

सऊदी अरब में अमेरिका और यूक्रेन के बीच अहम बातचीत शुरू

जेद्दा/एपी। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से जारी युद्ध को खत्म करने के लिए यूक्रेन और अमेरिका के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में अहम बातचीत मंगलवार को सऊदी अरब के जेद्दा में शुरू हुई। बंदरगाह शहर के एक आलीशान होटल में दोनों पक्षों के बीच बातचीत ऐसे समय में हो रही है, जब रूस ने सोमवार रात यूक्रेन की ओर से 10 से अधिक रूसी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए जाने और ऐसे 337 ड्रोन को मार गिराने का दावा किया।

बातचीत के दौरान पत्रकार कुछ पल के लिए वार्ता कक्ष में दाखिल हुए। इस दौरान, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो कैमरे के सामने मुस्कराते हुए नजर आए, जबकि यूक्रेनी अधिकारी उनकी सामने वाली मेज पर चुपचाप बैठे रहे। उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं था।

सऊदी अरब के विदेश मंत्री भी वार्ता कक्ष में मौजूद थे। उनके पीछे अमेरिका, सऊदी अरब और यूक्रेन के राष्ट्रीय ध्वज लगे हुए थे। वार्ता में शामिल अधिकारियों ने पत्रकारों के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। इस बीच, रूस के सैन्य अधिकारियों ने मंगलवार को दावा किया कि रूस की वायु रक्षा प्रणालियों ने सोमवार रात 10 से अधिक रूसी क्षेत्रों में 337 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। यह हमला यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के सबसे बड़े संघर्ष को रोकने के उपायों पर सऊदी अरब में अमेरिका और यूक्रेन के बीच बेहद अहम बातचीत शुरू होने से कुछ घंटों पहले हुआ।

इसे तीन साल के युद्ध में यूक्रेन की ओर से रूस पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला माना जा रहा है।

रूसी अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन के ड्रोन हमले में दो लोग मारे गए और तीन बच्चों समेत 18 लोग घायल हो गए, जबकि कई आवासीय इमारतों और वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि कुर्स्क क्षेत्र में 126 और मॉस्को के ऊपर 91 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया गया।

रूसी अधिकारियों के मुताबिक, यूक्रेनी ड्रोन विमानों ने सीमावर्ती बेलगोरेद, ब्रायंस्क और वोरोनिश के अलावा रूस के भीतर कलुगा, लिपेत्स्क, निजनी नोवगोरेद, ओरयोल और रियाजान को भी निशाना बनाया।

हालांकि, इस हमले पर यूक्रेनी और अमेरिकी अधिकारियों की तरफ से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

होली मिलन

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, भाजपा विधायक अभय वर्मा और दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और आशीष सूद मंगलवार को नई दिल्ली में पार्टी के प्रदेश कार्यालय में भाजपा के 'होली मिलन' कार्यक्रम के दौरान।

मॉरीशस में प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक बिहारी सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से स्वागत

पोर्ट लुईस/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंगलवार को मॉरीशस में प्रवासी भारतीय समुदाय द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया और समुदाय की महिलाओं ने 'गीत गवई' नामक पारंपरिक बिहारी सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से उनका स्वागत किया। 'गीत गवई' एक पारंपरिक भोजपुरी संगीत समूह है जो भारत के भोजपुरी क्षेत्र की महिलाओं द्वारा मॉरीशस लाई गई समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

मोदी ने 'एक्स' पर कहा, मॉरीशस में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं बहुत अभिभूत हूं। भारतीय विरासत, संस्कृति और मूल्यों से उनका गहरा जुड़ाव वाकई प्रेरणादायक है। इतिहास और दिल का यह बंधन पीढ़ियों से चला आ रहा है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, मॉरीशस में यादगार स्वागत। सबसे खास बात थी गीत-गवई प्रस्तुति में दिखाई देने

वाला गहरा सांस्कृतिक जुड़ाव। यह सराहनीय है कि कैसे महान भोजपुरी भाषा मॉरीशस की संस्कृति में फली-फूली है। प्रधानमंत्री मोदी को पारंपरिक गीत का आनंद लेते देखा गया। मॉरीशस के होटल में पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। होटल में मौजूद लोगों ने उनका स्वागत 'भारत माता की जय' के नारे के साथ किया और भारतीय तिरंगा झंडा लहराया। 'गीत गवई' के सांस्कृतिक महत्व को मान्यता देते हुए, इसे दिसंबर 2016 में यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया था।

गायकों के अनुसार, 'गीत गवई' का जीवन में विशेषकर विवाह में गहरा महत्व है, जहां इसकी शुरुआत देवताओं के आह्वान से होती है। मोदी मंगलवार को मॉरीशस पहुंचे और सर शिवसागर रामगुलाम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मॉरीशस में देश के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

फिल्म 'बैदा' का आधिकारिक ट्रेलर रिलीज

नयी दिल्ली/एजेन्सी

सुधांशु राय अभिनीत फिल्म 'बैदा' का आधिकारिक ट्रेलर रिलीज हो गया है। आईएमडीबी के अनुसार फ़िल्म बैदा सबसे ज्यादा प्रतीक्षित भारतीय फिल्म है। यह अपनी तरह की पहली साइंस-फिक्शन थ्रिलर फिल्म है। फिल्म बैदा के निर्देशक पुनीत शर्मा और मुख्य कलाकार सुधांशु और शोभित सुजय की मौजूदगी में फ़िल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया। फिल्म बैदा के ट्रेलर में एक अंधेरी दुनिया दिखाई गई है, जहां 'पिशाच' नाम की एक शक्ति ने सांसारिक दायरे को चुनौती दी है और एक भयावह शक्ति से जुड़ गई है, जिसका केवल दिखना मात्र ही मौत का संदेश है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सुधांशु ने कहा, 'बैदा एक ऐसी फिल्म है, जिसमें प्लॉट और स्टोरी सबसे अहम है। बैदा की दुनिया में एक दिलचस्प, रहस्यमयी माहौल के साथ कई किरदार हैं, जो आपके दिलो दिमाग पर अपनी अमिट छाप छोड़ देंगे। रामबाबू का सफ़र एक ऐसी कहानी है जो पहले कभी बड़े पर्दे पर नहीं दिखाई गई। मेरे सभी प्रशंसकों को होली और बैदा की शुभकामनाएं।'

फिल्म बैदा कहानीकार एवं अभिनेता सुधांशु राय लिखित सबसे लोकप्रिय कहानियों में से एक पर आधारित है और इसका निर्देशन पुनीत शर्मा ने किया है। फ़िल्म बैदा के कलाकारों में सुधांशु, शोभित, मनीषा राय, हितेन तेजवानी, तरूण खन्ना, सौरभ राज जैन, अखलाक अहमद (आजाद), दीपक वाधवा, सिद्धार्थ बनर्जी और प्रदीप काबरा सहित अन्य शामिल हैं। फिल्म के संपादक प्रतीक शेट्टी हैं। फिल्म का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर कार्तिक चेन्नोजी राव और रोनाडा बक्रेश का है। फिल्म बैदा पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनायी गयी है। यह फिल्म 21 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी मंगलवार को मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचीं।

जियोहॉटस्टार ने 'कन्नेडा' के लिए एल्बम रिलीज किया

मुंबई/एजेन्सी

जियोहॉटस्टार ने फिल्म 'कन्नेडा' के लिए परमिश वर्मा का जबर्दस्त एल्बम रिलीज़ किया है। पंजाबी संगीत के सबसे लोकप्रिय और दमदार गायकों में से एक, परमिश ने ढ़ेरों हिट गाने दिए हैं, जिन्होंने पूरे भारत में लोगों की प्लेलिस्ट पर राज किया है। अब वे जियो हॉटस्टार की आगामी रोमांचक थ्रिलर 'कन्नेडा' में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इसका प्रीमियर 21 मार्च को होगा। इतना ही नहीं, परमिश अपनी संगीत की जादूगरी इस सीरीज में भी लेकर आ रहे हैं। इसमें पांच दमदार गानों का एक शानदार ओरिजिनल एल्बम है। परमिश वर्मा ने 'कन्नेडा' के लिए एक शानदार म्यूजिक एल्बम बनाया है। इसमें पंजाबी गाने, कहानी और फिल्म का रोमांच सब कुछ मिला हुआ है। कन्नेडा का एल्बम और संगीत परमिश वर्मा के किरदार निम्मा की कहानी बताता है। इस सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, रणवीर शौरी, अरुणोदय सिंह, आदर मलिक और जैस्मीन बाजवा जैसे जानेमाने कलाकार भी हैं। ये सीरीज पहचान, सपने, ताकत और जीने की लड़ाई की कहानी है।एल्बम का मुख्य गाना, 'देसिया दा दौर', सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक जोश है। यह गाना निम्मा के कभी न हार मानने वाले जज्बे को दिखाता है, और ये भी कि कैसे वो कनाडा और 'कन्नेडा' के बीच बदलता है।

परमिश वर्मा ने एल्बम के बारे में कहा, संगीत निम्मा की पहचान है। 'कन्नेडा' की दुनिया बहुत बड़ी है, इसमें बहुत सारे भावनाएं हैं, और इसने मुझे एक कलाकार के रूप में संगीत में डूबने का मौका दिया, जैसा मैंने पहले कभी नहीं किया। इससे मुझे एक नई दुनिया मिली, और इस आजादी से मुझे लय की असली ताकत का अनुभव हुआ। मुझे इस एल्बम पर बहुत गर्व है, ये निम्मा की कहानी को और भी बेहतर बनाता है। ये गाने स्पोटिफाय, एप्पल म्यूजिक, यूट्यूब म्यूजिक, गाना, जियोसावन सहित दुनिया भर में 150 से ज्यादा स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे। कन्नेडा की तरह ही, ये म्यूजिक भी बहुत रोमांचक और दमदार होगा।

फिल्म 'तू या मैं' में शनाया कपूर और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में आएंगें नज़र

मुंबई। इस साल की सबसे दिलचस्प सिनेमाई जोड़ियों में से एक, शनाया कपूर और बाफ्टा नामांकित आदर्श गौरव 'तू या मैं' में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, यह एक हाई-ऑक्टेन अनुभव है जो प्रेम, भय और अस्तित्व की लड़ाई को बेहतरीन तरीके से जोड़ता है। तुम्बाड और हसीन दिलरुबा जैसी अनूठी फिल्मों के पीछे के प्रोडक्शन कंपनी कलर येलो के बैनर तले बनने वाली यह फिल्म आनंद एल राय और बेजॉय नांबियार के बीच पहली कोलैबोरेशन को चिह्नित करती है, जो दोनों ही अपने अलग और गहराई भरे कहानी कहने के अंदाज के लिए जाने जाते हैं। शैतान फेम निर्देशक बिजॉय नाम्बियार की इस फिल्म का टीज़र रहस्यमयी बैकवॉटर्स में सेट है, जो रोमांस और धड़कन बढ़ाने वाले रोमांच के बीच झूलते हुए अनुभव को पेश करता है। हिमांशु शर्मा द्वारा निर्मित और अभिषेक बांदेकर द्वारा लिखित इस फिल्म की कहानी मुख्य जोड़ी की अलग-अलग सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि पर आधारित है - एक ऐसा विरोधाभास जो उनके किरदारों के भिन्न दृष्टिकोणों को दर्शाता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, बेजॉय नांबियार ने कहा, तू या मैं के साथ, हम रोमांस और अस्तित्व की सीमाओं को एक ऐसे तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं जो भावनात्मक रूप से गहरी और बेहद भयावह दोनों है।

आदर्श और शनाया की केमिस्ट्री और उनकी विपरीत ऊर्जाएँ 'तू या मैं' को एक वाइल्ड राईड पर ले जाती हैं। यह एक अनूठा कैनवास है जो हमें एक निर्मम जंगल की पृष्ठभूमि के खिलाफ जटिल पात्रों का पता लगाने की अनुमति देता है। आनंद एल राय कहते हैं, कलर येलो में, हम कहानी कहने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। 'तू या मैं' एक ऐसी फिल्म है जो अनप्रेडिक्टिबिलिटी पर टिकी है - दो अविश्वसनीय रूप से रोमांचक कलाकारों को एक ऐसी कहानी में जोड़ा गया है जो नियमों के अनुसार चलने से इनकार करते है। हमें ऐसे कलाकारों की जरूरत थी जो न केवल अपने किरदारों की भावनात्मक गहराई को जी सकें, बल्कि अपने अभिनय में एक सहज इंटेंसिटी भी ला सकें। आदर्श और शनाया इन भूमिकाओं के लिए एकदम उपयुक्त हैं, क्योंकि वे ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

वैलेंटाइन्स डे 2026 को रिलीज़ होने वाली तू या मैं खुद को परफेक्ट डेट-नाइट थ्रिलर के रूप में पेश करती है - एक ऐसी फिल्म जो रोमांस, थ्रिल और अस्तित्व की लड़ाई को शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा करती है, जो इन सभी को एक लुभावने सिनेमाई पैकेज में समेटे हुई है। शानदार सिनेमैटोग्राफी, एक आकर्षक साउंडट्रैक और रहस्य से भरा माहौल के साथ, यह एक ऐसा नाट्य अनुभव है जिसे दर्शक मिस नहीं करना चाहेंगे। तुम्बाड, न्यूटन और रांझणा जैसी प्रशंसित फिल्मों के लिए जानी जाने वाली कलर येलो आगामी शीर्षकों के साथ रचनात्मक सीमाओं को आगे बढ़ा रही है, जिसमें आनंद एल राय की 'तेरे इश्क में' भी शामिल है, जिसे नवंबर 2025 में रिलीज किया जाएगा।

नीना गुप्ता की फिल्म 'आचारी बा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जानीमानी चरित्र अभिनेत्री नीना गुप्ता की फिल्म आचारी बा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। हार्दिक गज्जर निर्देशित और नीना गुप्ता अभिनीत, दिल को छू लेने वाली फिल्म आचारी बा असाधारण शक्ति, स्वतंत्रता और गर्मजोशी वाली महिला जैष्णवीबेन अनोपचंद वागड़िया की यात्रा को दर्शाती है, जिनके जीवन की साधारण खुशियाँ उनके घर के बने अचार के इर्द-गिर्द घूमती हैं। जियो स्टूडियोज, हार्दिक गज्जर फिल्म्स और बैकबेंचर पिक्चर्स प्रस्तुत, फिल्म आचारी बा का निर्माण ज्योति देशपांडे और पूनम श्रॉफ और पार्थ गज्जर ने किया है।

बा की भूमिका निभाने के बारे में नीना गुप्ता ने कहा, बा केवल एक किरदार नहीं है, बल्कि वह अनगिनत माताओं और दादियों का प्रतिबिंब है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन अपने परिवारों को दे दिया, केवल अंत में खुद को अकेला पाया। वह मजबूत है, फिर भी नाजुक है। वह उग्र है, फिर भी बहुत कमजोर है। वह ज्यादा कुछ नहीं मांगती, बस थोड़ा प्यार, थोड़ा समय, थोड़ी उपस्थिति। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, तो इसने मुझे एक ही समय में हंसाया और रुलाया और मुझे तुरंत पता चल गया कि मैं इसका हिस्सा बनना चाहती हूं। यह फिल्म सभी को यह याद दिलाने का

मेरा तरीका है कि प्यार को कभी भी बाद में नहीं सोचना चाहिए। अगर आपके माता-पिता या दादा-दादी अभी भी आपके आस-पास हैं, तो उन्हें यह दिखाने के लिए 'कल' का इंतज़ार न करें कि आप उनकी परवाह करते हैं। मैं आभारी हूँ कि जियो हॉटस्टार इस कहानी को हर जगह दर्शकों तक पहुँचा रहा है, क्योंकि यह एक ऐसा संदेश है जिसे सुना जाना चाहिए।

कबीर बेदी ने कहा, आचारी बा सिर्फ़ एक फिल्म नहीं है, यह एक वेक-अप कॉल है। यह हमें खुद से पूछने पर मजबूर करती है: आखिरी बार हमने अपने माता-पिता की बात कब सुनी थी। आखिरी बार हमने उन्हें कब महसूस कराया था कि हम उनकी परवाह करते हैं। मुझे उम्मीद है कि जियो हॉटस्टार पर देखने वाले कई लोगों के लिए यह उन प्रियजनों की कद्र करने की याद दिलाएगा, जिन्होंने कभी हमें खुद से पहले रखा था। वंदना पाठक ने फिल्म के भावनात्मक सार के बारे में कहा, आचारी बा की खूबसूरती इसकी सादगी है। वास्तविक क्षण, वास्तविक भावनायें, वास्तविक दर्द, वास्तविक प्यार और सबसे बढ़कर वास्तविक दोस्ती। यह एक ऐसी फिल्म है जो क्रेडिट रोल होने के बाद भी आपके साथ रहती है क्योंकि यह एक सार्वभौमिक चीज़ के बारे में बोलती है: भूल जाने का डर। यह कहानी लालसा, अप्रत्याशित साथ, शुद्ध दोस्ती पाने और यह एहसास दिलाने की है कि जब जीवन आपको किनारे कर देता है, तब भी प्यार आपको वापस लाने का एक तरीका है। मैं दर्शकों को जियोहॉटस्टार पर इसका अनुभव करने और इसकी गर्मजोशी महसूस करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं!

निर्देशक हार्दिक गज्जर ने कहा, यह फिल्म केवल एक दादी और कुत्ते के बीच के रिश्ते के बारे में नहीं है। यह उन रिश्तों के बारे में है जिन्हें हम अपने जीवन की खोज में पीछे छोड़ देते हैं। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जो तेज़ी से आगे बढ़ती है, जहां प्राथमिकताएँ बदलती हैं, और जहाँ वे लोग जो कभी हमारा हाथ थामते थे और हमें अपने कंधों पर उठाकर अपने बच्चों के सफल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए अपना सब कुछ त्याग देते थे, अक्सर एक कॉल, एक मुलाक़ात या यहाँ तक कि एक पल के लिए भी इंतज़ार और तरसते रह जाते हैं।

अब न्यूनतम को अवकाश माना जाता है, इसलिए हास्य, गर्मजोशी, गहरी भावनाओं और भावपूर्ण संगीत के माध्यम से, आचारी बा हमें रुकने, पीछे देखने और उन लोगों को वास्तव में देखने की याद दिलाती है जिन्होंने हमें बिना शर्त प्यार किया है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म बातचीत शुरू करेगी, रिश्तों को फिर से जीवंत करेगी और हम सभी को उस प्यार के बारे में थोड़ा और जागरूक करेगी जिसे हम अक्सर हल्के में लेते हैं। मैं इस दिल को छू लेने वाली कहानी को जियोहॉटस्टार के माध्यम से दर्शकों तक पहुँचाने के लिए रोमांचित हूँ, एक ऐसा मंच जो सुनिश्चित करता है कि सार्थक कहानियाँ हर घर तक पहुंचें। फिल्म आचारी बा 14 मार्च से विशेष रूप से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | बुधवार | 12-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय श्याम भक्त मंडल के तत्वावधान में जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में 'फागुण के रंग, बाबा श्याम के संग' भजन संध्या का आयोजन किया। इस फागुण एकादशी के मौके पर कार्यक्रम में बाबा श्याम के साथ श्रद्धालुओं ने फूलों की होली खेली और भजनों से बाबा श्याम को रिझाया।

प्रभु केसरिया आदिनाथ के च्यवन कल्याणक से शंकरपुरम प्रतिष्ठा महोत्सव के स्टेज कार्यक्रम प्रारंभ

अयोध्या नगरी में डिजिटल टेक्नोलॉजी से ओतप्रोत कार्यक्रम बने आकर्षण का केन्द्र

धार्मिक पाठशालाओं के शिक्षकों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शंकरपुरम क्षेत्र में केसरिया आदिनाथजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन श्री आदिनाथ प्रतिमा के प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिन आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी व श्रुतोपासकश्री रत्नसंचय सूरीश्वरजी के सान्निध्य में प्रभु के च्यवन कल्याणक का भव्य आयोजन किया गया। सुबह मंदिर में भगवान के माता-पिता, इन्द्र-इन्द्राणी की स्थापना के साथ दिन की शुरुआत हुई। तीसरे दिन बनाई गई अयोध्या नगरी में च्यवन कल्याणक प्रसंग का डिजिटल एवं टेक्नोलॉजी के माध्यम से अत्यंत मनोहारी मंचन मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा।

इस मौके पर आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जगत का कल्याण करने वाले, विश्व का कल्याण करने वाले ऐसी जीवात्मा भगवान का कल्याणक देखना, सुनना, समझना महान पुण्य का संचय है। यह कल्याणक सभी के आत्मकल्याण का कारण बने, यही कामना। स्टेज कार्यक्रम में साक्षात अयोध्या नगरी में माता मरुदेवी ने प्रभु का गर्भ धारण प्रसंग बहुत ही मार्मिक तरीके से प्रस्तुत किया गया ।आचार्यों का स्वागत प्रसिद्ध संगीतकार विनीत गेमावत एवं समस्त श्रावक-श्राविकाओं द्वारा 'स्वागतम गुरुराज' गीत से किया गया। अयोध्या नगरी में इसी प्रकार श्री केसरिया आदिनाथजी के पिताश्री महाराज नाभिराजा व माताश्री मरुदेवी का स्वागत संगीत के साथ किया गया। कल्याणक कार्यक्रम में तीर्थंकर भगवान की माता द्वारा देखे जाने वाले 14 शुभ स्वप्नों की गाथा का संगीतमय और नृत्यमय मंचन प्रस्तुत किया गया, जो श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत भावविभोर कर देने वाला रहा। त्रिशला माता के इन स्वप्नों का भावार्थ भी गीत और नृत्य के माध्यम से अद्भुत शैली में प्रस्तुत किया गया। पहली बार डिजिटल एवं टेक्नोलॉजी के माध्यम से अजर,अमर और अविनाशी आत्मा के गर्भ धारण का यह उत्सव अद्भुत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में नाश्ते व नवकारशी के लाभार्थियों का सम्मान भरत चक्रवर्ती भोजन मंडप में संघ परिवार द्वारा किया गया। महोत्सव में शहर की विभिन्न जैन धार्मिक पाठशालाओं के गुरुजी, सहयोगी शिक्षक एवं वाटिका शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न लाभार्थी परिवारों का भी अयोध्या नगरी में सम्मान किया गया। रात्रि में भव्य भक्ति संध्या का आयोजन हुआ जिसमें विक्की पारेख व वैभव बागमार ने मधुर गीतों ने समस्त श्रद्धालुओं को भक्ति सागर में डुबो दिया।

खंडेलवाल वैश्य समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित

होली मिलन व फागोत्सव के दौरान आयोजित हुआ सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। खंडेलवाल वैश्य समाज कर्नाटक व खंडेलवाल वैश्य जागृति संघ, वैशाली नगर, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में सरजापुर रोड स्थित हरियाणा भवन में विवाह योग्य खंडेलवाल वैश्य युवक-युवतियों के परिचय एवं युवा संवाद शिविर का आयोजन होली मिलन फागोत्सव के साथ सम्पन्न हुआ।

खंडेलवाल समाज बेंगलूरु के अध्यक्ष सुरेशचंद खंडेलवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में 200 से अधिक समाज सदस्यों ने भाग लिया। शिविर संयोजक अशोक कट्टा ने बताया कि समाज के 60 से अधिक विवाहयोग्य युवक-युवतियों ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया और आमने-सामने संवाद के माध्यम से एक-दूसरे को समझने का अवसर प्राप्त किया। इस दौरान दोनों पक्षों ने अपनी पसंद-नापसंद साझा की और वैचारिक आदान-प्रदान किया। जागृति संघ के महासचिव अनिल लोहिया ने बताया कि इस शिविर में कई पेशेवर एवं उच्च शिक्षा प्राप्त युवक-युवतियों ने भाग लिया।

बेंगलूरु समाज के संस्थापक व संरक्षक जितेंद्र खण्डेलवाल व जगदीश खण्डेलवाल ने बताया कि सामाजिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और आपसी मेल-जोल को बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रम के अंत में फागोत्सव का आयोजन किया गया। बेंगलूरु समाज के महासचिव अमित खंडेलवाल एवं साथियों ने व्यवस्था में योगदान दिया।

लोकसेवाओं के लिए दयालु, सत्वशाली, चरित्रवान विद्यार्थी आगे आएं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकूर/हिरियूर। शहर के पास कलंबेल्ला में पुलिस उपनिरीक्षक रविंद्र के विशेष निवेदन पर आचार्यश्री विमलसागर सूरीश्वरजी उनके निवास स्थान पर पहुंचे। इस मौके पर अनेक पुलिसकर्मी व अधिकारी उपस्थित थे। जैनाचार्य ने कहा कि देश और समाज का दुर्भाग्य है कि प्रतिवर्ष अपनी लाखों प्रतिभाएं मातृभूमि को छोड़कर सफलता की तलाश में विदेश जा रही हैं। इस पलायन को रोकना सरकारों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अगर यूं ही प्रतिभाओं का पलायन होता रहा तो हम पिछड़ जाएंगे। अपने देश में ऐसी व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने की आवश्यकता है कि प्रतिभाओं का लाभ भारत को ही मिले। इसके लिए एक सामूहिक राजनीतिक जागरण की जरूरत है। देश का युवावर्ग निष्ठापूर्वक यह क्रांति कर सकता है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि दयालु, परोपकारी, सत्वशाली और चरित्रवान विद्यार्थियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के क्षेत्र में संकल्प पूर्वक आगे आना चाहिए। विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को यह समझने की आवश्यकता है कि संघ लोक सेवा आयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्र में सफल होना अत्यंत कठिन या असंभव नहीं है। बुद्धिशाली और प्रतिभावान विद्यार्थी यदि पूर्ण आत्मविश्वास और गहरी लगन से अथक प्रयास करें तो उनकी अद्भुत आंतरिक क्षमता का लाभ समाज और मानवता को मिल सकता है।

इससे भ्रष्टाचार कम होगा, देश को सुप्रशासन मिलेगा और जनसामान्य की सुख-शांति के द्वार खुलेंगे। गणि पद्मविमलसागरजी ने भी अपने विचार प्रकट किए। पुलिस अधिकारियों ने सपरिवार आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी से आशीर्वाद ग्रहण किया।

'एनईपी विनाशकारी नागपुर योजना', हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 'विनाशकारी नागपुर योजना'' करार दिया और दोहराया कि राज्य इसे स्वीकार नहीं करेगा भले ही केंद्र सरकार 10,000 करोड़ रुपये प्रदान करे। स्टालिन ने चेन्नई के नजदीक चेंगलपेट में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, कल आपने टेलीविजन पर संसदीय कार्यवाही देखी होगी। वह अहंकार से कह रहे हैं कि तमिलनाडु को 2,000 करोड़ रुपये तभी दिए जाएंगे, जब हिंदी और संस्कृत को स्वीकार किया जाएगा। कौन? वह केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान थे। उन्होंने कहा कि राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध कर रहा है क्योंकि यह तमिलनाडु में शिक्षा के विकास को पूरी तरह से नष्ट कर देगा।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, एनईपी में विद्यार्थियों को शिक्षा के दायरे में लाने के बजाय, उन्हें शिक्षा से दूर करने की कार्ययोजना बनाई गई है। उन्होंने शिक्षा के मामले में केंद्र सरकार के प्रभुत्व को स्थापित करने वाले इस एनईपी की आलोचना की और उसका विरोध करने के कई कारण गिनाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा में सांप्रदायिकता का प्रवेश, शिक्षा का निजीकरण, ऐसी स्थिति पैदा करना जिसमें केवल अमीर लोग ही उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें, छोटे बच्चों के लिए भी सार्वजनिक परीक्षा, कला, विज्ञान और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए नीट जैसी प्रवेश परीक्षा आदि इसके विरोध के कारणों में हैं।

स्टालिन ने कहा कि इन सभी कारकों पर विचार करने के बाद ही तमिलनाडु इस बात पर अड़ा है कि वह एनईपी को स्वीकार नहीं करेगा।

श्याम भक्तों ने बाबा श्याम के साथ खेली फूलों की होली, गाए भजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्याम भक्त मंडल के तत्वावधान में जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में 'फागुण के रंग, बाबा श्याम के संग' भजन संध्या का आयोजन किया। इस फागुण एकादशी के मौके पर कार्यक्रम में बाबा श्याम के साथ श्रद्धालुओं ने फूलों की होली खेली और भजनों से बाबा श्याम को रिझाया।

भजन संध्या में स्थानीय गायकों के अलावा छत्तीसगढ़ से आए भजन गायक निखिल मिश्रा व श्याम शर्मा ने बाबा श्याम के दरबार मची रे होली..., मीठे रस से भरियोड़ी राधा रानी लागे..., राधिका गौरी से बृज की छोरी से..., कीर्तन की रात बाबा आज थाने आणो है .... आदि भजनों की प्रस्तुति दी। गायकों ने बाबा श्याम सहित अनेक देवी देवताओं के भजन गाकर पूरे सभागार को भक्तिमय बना दिया। इस मौके पर बाबा श्याम का भव्य दरबार

सजाया गया और पूजा अर्चना कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। सभागार में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाबा श्याम श्रृंगार के दर्शन किए। आरती के बाद महाप्रसाद की व्यवस्था की गई थी।

धर्म आत्मा के सुख के लिए होता है : संतश्री पदमचन्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में डा. मुनि पदमचंद्रजी ने कहा कि धर्म जटिल नहीं होता है। उनकी विभिन्न परिभाषाएं धर्म को जटिल बना देती हैं। धर्म आत्मा के सुख के लिए होता है। सुख और कठिनाई की प्रकृति ही अलग है। पदमचंद्रजी ने कहा कि तीर्थंकर पहले स्वयं साधना करते हैं फिर वही मार्ग सभी के लिए प्रशस्त करते हैं। जिस मार्ग में जात-पांत या अन्य कोई भेद नहीं होता है। हम पुण्य और पाप को सरसरी तौर पर नहीं बल्कि इसकी गहराई में जाकर आशय और संदर्भ समझें। एक ही कार्य के अलग अलग परिणाम हो सकते हैं। हम अपनी दृष्टि सकारात्मक रखें। पुण्य से पुण्य का संचय स्वाभाविक है किंतु कभी कभी पाप क्रिया करके भी हम पुण्य कर सकते हैं। हमारे भाव और हमारी प्रवृति शुभ-अशुभ को स्पष्ट करती हैं। अनुकंपा दान में हमें पात्र देखने की जरूरत नहीं है। इससे पूर्व सुबह की ज्ञान कक्षा में डा. जयधुरंधरमुनि ने आगम के 5 समवाय पर चर्चा करते हुए कहा कि काल और स्वभाव का हमारे जीवन में बहुत महत्व होता है। संत दर्शन के लिए आए सभी श्रावक श्राविकाओं का संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने स्वागत किया। मंत्री अभयकुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया।

सुभाष बने नामदेव सेवा समाज के अध्यक्ष, जीवनप्रकाश बने सचिव

बेंगलूरु। नामदेव सेवा समाज का होली स्नेह मिलन समारोह कनकपुरा रोड स्थित एक होटल में हुआ जिसमें सभी ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ठंडाई के साथ चंग की थाप पर उपस्थित समाज परिवारों ने होली गीत व धमाल की मस्ती का आनंद उठाया। इस मौके पर समाज के अध्यक्ष पद के लिए सुभाष थेपड़ा के नाम की घोषणा की गई। बाद में नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने टीम की घोषणा करते हुए सचिव पद के लिए जीवनप्रकाश कोटड़ा, उपाध्यक्ष सुरेश कोकचा व सोनू गदेय, संयुक्त सचिव महेश पूर्वा, लेखा जोखा परीक्षक मनोज मोयल, सलाहकार शिवकुमार पूर्वा, प्रेमचंद रुनवाल, उमेद पूर्वा, मनोज गादा का चयन किया।

|| श्री जयमल्लाय नमः || || श्री महावीराय नमः || || जय गुरु पार्श्व-पदम ||

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ

हलसूरु, बेंगलूरु

फाल्गुनी होली चातुर्मास

गुरुवार दि. 13.3.2025

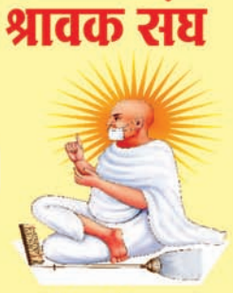

सादर जय जिनेन्द्र! हलसूरु, बेंगलूरु संघ के असीम पुण्योदय से, संघ को जयगच्छाधिपति, वचन सिद्ध साधक, बारहवें पट्टधर संयम शिरोमणी आचार्य भगवंत 1008 पूज्य श्री पार्श्वचन्द्रजी म.सा., अणुप्पेहा ध्यान प्रणेता प्रवचन प्रभावक डॉ. पू. श्री पदमचन्द्रजी म.सा., मौन साधक तपस्वी पू. श्री जयधुरंधरमुनिजी म.सा., विद्याभिलाषी पू. श्री जयकलशमुनिजी म.सा., तत्व रसिक पू. श्री जयपुरंदरमुनिजी म.सा. ठाणा 5 के फाल्गुनी होली चातुर्मास का अत्युत्तम लाभ मिला है। सकल संघ में अपार हर्ष उमंग उत्साह उल्लास की लहर है।

आदर आमंत्रण

हलसुरु श्री संघ, बहुत ही प्रमोद भाव से समस्त संघ, श्रावक श्राविकाजी, आप सभी को पूज्य आचार्य भगवंत एवं अणगार भगवंतों के अनमोल सानिध्य में गुरुवार दि. 13.3.2025 को पर्व आराधन हेतु, गुरु दर्शन, सेवा, जिनवाणी श्रवण, अनुमोदना हेतु आमंत्रित करता है। आप सपरिवार पधारकर संघ एवं जिनशासन की शोभा बढ़ावें।

* कार्यक्रम की संक्षिप्त झलक *

प्रातः ठीक 8 बजे : मुमुक्षु श्री दिलीपकुमारजी धोका का भव्य वरघोडा (ऑसबोर्न रोड जैन मंदिर से आयोजन स्थल तक)

प्रातः 9 बजे से : गुरु भगवन्तों के प्रवचन (कृपया सामायिक साधन लेकर पधारें)

विभिन्न संघों से आगामी चातुर्मास के लिये विनती, मुमुक्षु अभिनंदन सत्कार भोजन

आयोजन स्थल : श्री मुदलियार संघ कन्वेंशन हाल

ऑसबोर्न रोड़ जैन मंदिर के पास, हलसुर लेक के पास, शांतिसागर होटल के पीछे

निवेदक : श्री श्वे. स्था. जैन श्रावक संघ, हलसूरु, बेंगलूरु

अध्यक्ष : धनपतराज बोहरा 94482 64745 | मंत्री : अभयकुमार बांठिया 93412 18945 | कार्यकारिणी एवं सकल संघ

* महिला मंडल * श्री जैन युवक संघ * नवकार बहु मंडल * बालक बालिका मंडल

आपका हार्दिक स्वागत करते हैं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com